

सतना

30 अगस्त 2026 रविवार

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: **बीफ बॉक्स :**

भागवत न्यूयॉर्क में दुनिया के पहले इस्कॉन मंदिर पहुंचे

बोले- विश्व में कई तरह के संघर्ष, कृष्ण चेतना से ही शांति आ सकती है

न्यूयॉर्क,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में दुनिया के पहले इस्कॉन सेंटर का दौरा किया। मंदिर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया में कई तरह के संघर्ष हैं। ऐसे समय में ‘कृष्ण चेतना’ शांति ला सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भले ही अलग-अलग तरह की विविधताएं, मतभेद और संघर्ष हों, लेकिन अगर लोगों को यह समझ आने लगे कि सब कुछ कृष्ण का ही हिस्सा है, तो दुनिया में बेहतर और शांतिपूर्ण माहौल बनाया जा सकता है। भागवत 26 सेंकंड एवेन्यू स्थित उस जगह पर भी पहुंचे, जहां स्वामी प्रभुपाद ने जुलाई 1966 में इस्कॉन की स्थापना की थी। इसे मैचलेस गिफ्टस भी कहा जाता है। इस्कॉन इस साल अपनी स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मना रहा है।

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज, हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप

कालेकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है।

शिकायत के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है।

आज के युवा आजादी के नारे लगाते हैं और बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड के गुलाम हैं: बाबा रामदेव

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव ने युवाओं के प्रदर्शन करने और वी वॉन्ट जस्टिस, वी वॉन्ट फ्रीडम जैसे नारे लगाए जाने पर टिप्पणी की है। योग गुरु ने एएनआई से बातचीत में कहा कि आजादी के नारे लगाते हैं, वी वॉन्ट फ्रीडम, वी वॉन्ट जस्टिस. लेकिन गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड के गुलाम हैं. आप आजाद कहाँ हो, चमड़ी-दमड़ी के गुलाम हैं. किसी की आंख देखी, किसी की नाक देखी और कहा कि आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल हमें, दिल की ऐ धड़कन ठहर जा, मिल गया कातिल हमें।' बाबा रामदेव ने कहा कि आजादी के असल मायने समझने को जरूरत है। पतंजलि के नाम पर बड़ा बिजनेस खड़ा करने के सवाल पर योग गुरु ने कहा कि कारोबार को हेय दृष्टि से देखना देश का दुर्भाग्य है. उन्होंने कहा कि देश में यह एक बड़ी समस्या है। बाबा रामदेव ने कहा कि जेन जी का यह मतलब नहीं है कि आपने छोटे कपड़े पहनने शुरू कर दिए और मोबाइल रखना शुरू कर दिया। आपने सोशल मीडिया पर कुछ फॉलोअर बना लिए और कुछ गालियां बक कर या फिर कपड़े कम पहनकर जुटा लिए। क्या एक बार फिर से आप आंदोलन

पेपर लीक रोकने के लिए परीक्षा सिस्टम बदलने की तैयारी

● नीलेकणि टास्क फोर्स ने लोगों से सुझाव मांगे ● 13 सितंबर तक दे सकेंगे राय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की छह सदस्यीय हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यापक सुधार के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों से भी राय मांगी गई है।

इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली यह टास्क फोर्स खास तौर पर एनटीए की परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, परीक्षा डिजाइन और

व्यवस्था में सुधार पर काम कर रही है।

केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, टास्क फोर्स का लक्ष्य परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और भविष्य के लिए तैयार बनाना है।

इसमें परीक्षा में गड़बड़ी रोकने, संस्थागत व्यवस्था मजबूत करने, तकनीक के इस्तेमाल और छात्रों की परेशानियां कम करने जैसे मुद्दों पर सुझाव लिए जा रहे हैं।

13 सितंबर तक दे सकते हैं

सुझाव: सुझाव 13 सितंबर तक अंग्रेजी, हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में दिए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार ने वेबसाइट, फोन, वॉट्सएप और ईमेल के जरिए सुझाव भेजने की व्यवस्था की है।सुझाव examreforms-taskforce.dopt.gov.in पर भेजे जा सकते हैं। इसके अलावा 1800-180-4747 पर फोन करके या 7827042830 पर वॉट्सएप में ‘hpt’ लिखकर भी राय दी जा सकती है।

इन सुझावों के आधार पर टास्क फोर्स सरकार को परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी सिफारिशें देगी। टास्क फोर्स में नीलेकणि के

जुलाई में बनी नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स... केंद्र ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स जुलाई में बनाई थी। इसका गठन जंतर-मंतर पर पेपर लीक के आरोपों और परीक्षा व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर हुए छात्रों के विरोध के बीच किया गया था।

अलावा पूर्व इंटेलिजेंस ब्यूरो निदेशक तपन डेका, पूर्व इसरो चेयरमैन एस. सोमनाथ, IT मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि, पूर्व शिक्षा सचिव अनिता करवाल और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा शामिल हैं।

भूस्खलन से बनी 2 झीलों से नेपाल में खतरा

● एक से लगातार पानी रिस रहा ● लापता लोगों का आंकड़ा 2500 हुआ, इसमें 320 भारतीय

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद खतरा अभी टला नहीं है। नेपाल-चीन सीमा के पास भूस्खलन से दो नई झीलें बन गई हैं। इनमें से एक झील से लगातार पानी रिस रहा है, जबकि दूसरी का आकार बढ़ता जा रहा है। इससे आसपास के इलाकों में दोबारा बाढ़ या भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इसी इलाके में बुधवार को अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। तेज बहाव अपने साथ कीचड़, रेत, बजरी और बड़ी चट्टानें लेकर नीचे के इलाकों में पहुंचा था।

नेपाल और तिब्बत में इस आपदा से अब तक 633 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2,500 लोग लापता हैं।

इनमें 320 भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, करीब 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं।

कांग्रेस ने गृह मंत्री से नेपाल के लिए राहत बढ़ाने की अपील की: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाल में आई बाढ़ को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने भारत सरकार से नेपाल को तत्काल मानवीय सहायता देने और जरूरत पड़ने पर NDRF की टीमें भेजकर बचाव, राहत और निकासी अभियान में मदद करने का आग्रह किया है।

खड़गे ने कहा कि इस संकट की घड़ी में भारत को नेपाल के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए।

नेपाल ने भारत की मदद के लिए आभार जताया: नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत के समर्थन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से दिखाई गई चिंता, सहयोग और एकजुटता के लिए नेपाल सरकार और

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर खड़गे का भाषण दिखाया

कहा- हल्द्वानी में उनकी सभा के बाद मंच का शुद्धिकरण हुआ; प्रधानमंत्री दोषियों पर एक्शन लें

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया।

राहुल ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया। प्रधानमंत्री दोषियों पर एक्शन लें। दलितों पर सदियों से अत्याचार हो रहा है। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है।

जानें, हल्द्वानी की सभा और उसके बाद क्या हुआ... 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में खड़गे की सभा हुई थी। इसके बाद कुछ हिंदू संगठनों ने वहां यज्ञ कर मंच के शुद्धिकरण का दावा किया।

राहुल ने कहा- कोई नेता शुद्धिकरण पर बोलेंगा या नहीं, हमें एक्शन चाहिए... पत्रकार का सवाल- इस मामले पर पीएम मोदी और मायावती दोनों चुप हैं। इस पर आप क्या बोलेंगे। राहुल- देखिए पीएम नहीं बोल रहे हैं ये उनकी विचारधारा है। लेकिन हमें इतना पता है कि जिन लोगों ने ये किया है वो गलत है। मायावती कुछ बोलें या नहीं हमें मतलब नहीं हमें बस एक्शन चाहिए।

आयोजकों का कहना था कि धार्मिक मंच का इस्तेमाल राजनीतिक बयानों के लिए हुआ और वहां मर्यादा का ध्यान नहीं रखा गया, इसलिए शुद्धिकरण किया गया। इसका जाति से कोई लेना-देना नहीं है।

खड़गे ने मानसून सत्र के दौरान संसद में यह मुद्दा उठाया और इसे अपनी दलित पहचान से जोड़ते हुए दोषियों पर एससी-

एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की। राहुल समेत कांग्रेस नेताओं ने इसे भाजपा-आरएसएस की जातिवादी सोच करार दिया।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी3.89 महंगी

कीमत 83 प्रति किलो से बढ़कर करीब 87 हुई; इस साल 5वीं बार बढ़े दाम

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-NCR में CNG की कीमत 3.89 प्रति किलो बढ़ गई है। इद्रप्रथम गैस लिमिटेड (IGL) के मुताबिक, नई कीमत शनिवार सुबह 6 बजे से लागू होगी। इसके बाद दिल्ली में CNG 83.09 से बढ़कर 86.98 प्रति किलो हो जाएगी। इस साल CNG के दाम में यह पांचवीं बढ़ोतरी है।

IGL के मुताबिक, इस बार कीमत बढ़ाने की मुख्य वजह LNG की बढ़ती आयात लागत, अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में तेजी और सीएनजी की बढ़ती मांग है।

नोएडा-गाजियाबाद में 95.59, गुरुग्राम में 92.01 प्रति किलो: नई कीमतों के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 95.59 प्रति किलो हो गई है। मेरठ में इसकी कीमत 95.47 और गुरुग्राम में 92.01 प्रति किलो है। पेट्रोल और डीजल की तरह सीएनजीके दाम भी अलग-अलग राज्यों में अलग होते हैं। इसकी एक वजह राज्यों में लागू अलग-अलग वेट दरें हैं।

दिल्ली में कीमत बढ़ने के बावजूद IGL ने कहा है कि सीएनजी उपभोक्ताओं

होर्मुज संकट से एलएनजी की सप्लाई और कीमत पर असर... IGL ने बताया कि पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने से होर्मुज स्ट्रेट के जरिए LNG की सप्लाई और माल ढुलाई प्रभावित हुई है। संकट से पहले की तुलना में अब वैश्विक LNG कीमतें करीब दोगुनी हो गई हैं। यूरोप में सदियों से पहले गैस भंडारण बढ़ाने की जरूरत ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है।

मुंबई में दूध 100 के पार, थोक भाव 9 बढ़ा

नई कीमत एक सितंबर से लागू; दही-पनीर के दाम भी बढ़ सकते हैं

मुंबई, एजेंसी। त्योहारी सीजन से पहले मुंबई के लोगों को महंगाई का झटका लगा है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (BMPA) ने थोक दूध की कीमत में 9 प्रति लीटर बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

नई कीमत 1 सितंबर से लागू होगी। इसके बाद मुंबई और आसपास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों में थोक दूध का भाव 93 से बढ़कर 102 प्रति लीटर हो जाएगा। यह नई कीमत अगले 6 महीने यानी 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी। एसोसिएशन के मुताबिक, यह हाल के वर्षों में दूध की कीमत में हुई सबसे बड़ी एकमुश्त बढ़ोतरी में से एक है।

चार, ट्रांसपोर्ट और पशुओं की देखभाल का खर्च बढ़ा: दूध की कीमत बढ़ाने के पीछे डेयरी

किसानों और तबेला संचालकों ने बढ़ती उत्पादन लागत को मुख्य वजह बताया है। पिछले एक साल में पशुओं के लिए जरूरी हरा चारा, चुनी और खली जैसी चीजों की कीमत लगातार बढ़ी है।

इसके अलावा दूध की ढुलाई, पशुओं की देखभाल और तबेले के संचालन का खर्च भी बढ़ गया है। बढ़ती लागत के कारण दूध उत्पादकों पर आर्थिक दबाव बढ़

खुदरा दूध से लेकर मिठइयों तक पड़ेगा असर... थोक दूध महंगा होने का सीधा असर मुंबई के आम ग्राहकों पर पड़ने की आशंका है। स्थानीय दूध विक्रेता, डेयरी और घर तक दूध पहुंचाने वाले सप्लायर 1 सितंबर से बढ़ी हुई कीमत ग्राहकों से वसूल सकते हैं।

रहा था। कुछ जगहों पर खुदरा कीमत में थोक बढ़ोतरी से थोड़ा ज्यादा इजाफा भी हो सकता है। इसका असर सिर्फ दूध तक सीमित नहीं रहेगा। दूध महंगा होने से दही, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। त्योहारी सीजन में दूध की बड़ी खपत होने के कारण मिठई की दुकानों, बेकरी और खाने-पीने की दुकानों पर भी लागत बढ़ेगी।

अमेरिका ने वेनेजुएला का 65 अरब बैरल तेल कब्जाया

यह भारत की 40 साल की जरूरत के बराबर

ट्रम्प बोले- इतिहास की सबसे बड़ी डील

वॉशिंगटन डीसी/काराकस, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है। भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के 40 साल के ऑयल इम्पोर्ट के बराबर है।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में

वेनेजुएला में 300 अरब बैरल तेल मौजूद... वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। वहां 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल मौजूद है। ट्रम्प जिस 65 अरब बैरल तेल पर अमेरिकी कंट्रोल की बात कर रहे हैं, वह वेनेजुएला के कुल तेल भंडार का करीब पांचवां हिस्सा है।

वेनेजुएला के पास इतना बड़ा तेल भंडार होने के बावजूद वहां उत्पादन काफी कम है। आर्थिक संकट, निवेश की कमी और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण उसका तेल उद्योग लंबे समय से मुश्किल में है।

योगी बोले- अखिलेश जनता से माफी मांगें

अस्थाशी के लिए जेपीएनआईसी बनवाया

» यूपी में नौकरी का खजाना निकलने वाला है

देवरिया, एजेंसी। देवरिया में सोपम योगी ने ऐलान किया कि प्रदेश में नौकरियों का खजाना खुलने वाला है। एक साल में एक लाख युवाओं को नौकरी देने की तैयारी चल रही है। इसमें 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती भी शामिल है। यूपी टाईटी परीक्षा पास करने वाले 13 लाख युवाओं के लिए भी जल्द विज्ञापन आने वाला है।

उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। कहा- इन लोगों ने अपनी विचारधारा के मुखिया को भी नहीं

अखिलेश ने फकर के गले पर तलवार रख दी थी... सपा पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा- 2017 से पहले प्रदेश में कदावत थी, ‘देख सपाई, बिटिया घबराई’। हर मां-बाप को बेटी की सुरक्षा का खतरा सताता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। सरकार या लोकतंत्र में कुछ गलत होता है तो मीडिया उसे उजागर करता है। कमियों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करता है। लेकिन अखिलेश यादव ने एक बार एक पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी।

बख्शा। कितने बड़े डकैत हैं, मैं आपको बताता हूं। सपा ने जेपीएनआईसी के निर्माण में 862 करोड़ रुपए पानी की तरह बहा दिए। JPNIC के नाम पर एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई गई थी, जिसमें अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेद यादव और

इनके शक्तिर्द शामिल थे। इन लोगों ने अपनी अस्थाशी के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल किया। इसके लिए उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। इतनी रकम से लाखों लोगों के लिए स्कूल, सड़क और उद्योग बनाए जा सकते थे।

शनिवार को सीएम देवरिया पहुंचे थे। जनसभा के पहले मझौलीराज गांव में स्लेमपुर और भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्रों के लिए 305 करोड़ रुपए की 80 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें 139.47 करोड़ रुपए की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण और 165.50 करोड़ रुपए की लागत से 57 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

जासूसी के नए तरीके ने बढ़ाई सुरक्षा एजेंसियों की चिंता, भारतीय नंबर बन रहे आईएसआई नेटवर्क का गेटवे



नई दिल्ली, एजेंसी। जासूसी के तौर-तरीकों में तेजी से बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के लिए नई चुनौती बनकर सामने आ रहा है। अब जासूसों के लिए जरूरी नहीं कि वे किसी संवेदनशील इलाके में जाकर सीधे संपर्क स्थापित करें। इंटरनेट मीडिया के जरिए घर बैठे किसी व्यक्ति से दोस्ती करना और धीरे-धीरे उसे अपने प्रभाव में लेना भी जासूसी नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, ऐसे मामलों में शुरूआत में बातचीत पूरी तरह सामान्य दिखाई देती है। सामने वाला व्यक्ति दोस्ती, रोजगार, आर्थिक मदद या किसी साझा रुचि के बहाने संपर्क बढ़ा सकता है। कुछ समय तक बातचीत के जरिए विश्वास कायम करने के बाद धीरे-धीरे ऐसे अनुरोध किए जा सकते हैं, जिनका संबंध संवेदनशील सूचनाओं या गतिविधियों से हो।

भारतीय नंबर बना गेटवे: दंपती की गिरफ्तारी के बाद जांच में सामने आया कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने इन इंडियन मोबाइल नंबरों की मदद से कुछ भारतीय वाट्सऐप ग्रुप्स में एंट्री लेने की कोशिश की। इन ग्रुप्स में शामिल लोगों से संपर्क बढ़ाना और रूप में साझा होने वाली जानकारी को हासिल करना नेटवर्क का मकसद बताया जा रहा है। भारतीय नंबर होने के कारण सामने वाले व्यक्ति को इस बात का अंदाजा नहीं होता था कि दूसरी तरफ से चैट करने वाला व्यक्ति पाकिस्तान में बैठ हो सकता है। इस तरह मोबाइल नंबर नेटवर्क के लिए एक तरह का %गेटवे% बन गए।

नोएडा में कॉल सेंटर में नौकरी करती थी समीरा: गिरफ्तार साहिल का जन्म 2001 में हुआ था। इनू से बीए करने के बाद उसने एलएलबी करने की योजना बताते हुए एक वकील के साथ काम करना शुरू किया। बीते वर्ष जून उसने नौकरी छोड़ दी और तब से वह बेरोजगार है। उसके पिता मोहम्मद असफाक 1982 में अपने गृहनगर बदायूं से दिल्ली आ गए थे और दिल्ली के सराय काले खां में बस गए, जहां वे कार मैकेनिक का काम करते हैं। वहीं समीरा का जन्म 2005 में हुआ था। दिल्ली से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उसने पत्राचार से बीए किया। गिरफ्तारी से पहले, वह नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम करती थी। उसके पिता नदीम 1996 में अपने गृहनगर बिजनौर से दिल्ली आए और शंकरपुर में बस गए। वे शंकरपुर के स्थानीय बाजारों में कॉल्ड ड्रिंक्स और पानी की बोतलें सप्लाय करते हैं।

डिजिटल पहचान की जांच बनी चुनौती: सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इंटरनेट मीडिया पर इस्तेमाल की जा रही पहचान वास्तविक है या नहीं, इसका पता लगाना आसान नहीं होता। फर्जी नाम, तस्वीर और प्रोफाइल के जरिए लंबे समय तक किसी व्यक्ति से संपर्क बनाए रखा जा सकता है। बातचीत आगे बढ़ने पर मोबाइल फोन, मैसेजिंग एप और डिजिटल लेन-देन से जुड़े साक्ष्य जांच का अहम हिस्सा बन जाते हैं। जांच एजेंसियों की नजर में किसी संवेदनशील स्थान की तस्वीर, आवाजही की जानकारी, किसी अधिकारी या संस्थान से जुड़ी सामान्य दिखने वाली सूचना भी महत्वपूर्ण हो सकती है। इसी कारण डिजिटल फोरेंसिक अब जासूसी मामलों की जांच में अहम भूमिका निभा रहा है।

सैफ अली खान पर हमले में बड़ा अपडेट, गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक ने जुर्म कबूल करने की इच्छा जताई



मुंबई, एजेंसी। अभिनेता सैफ अली खान को जनवरी 2025 में बांद्रा स्थित उनके घर पर चाकू मारने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक ने शुरूवार को यहां की अदालत का रुख किया और मामले में अपना अपराध स्वीकार करने की इच्छा जताई। घटना के दो दिन बाद गिरफ्तार किए गए मोहम्मद शरीफुल इस्लाम अभी न्यायिक हिरासत में हैं। उनके वकील विपुल दुशिग ने बताया कि उन्होंने गुनाह कबूल करने की इच्छा जताते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की है। अदालत ने अभियोजन पक्ष से जवाब दायित्व करने को कहा और सुनवाई 11 सितंबर तक के लिए टाल दी। इस महीने की शुरुआत में, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी पी देशमुख ने इस्लाम के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे मुकदमे का रास्ता साफ हो गया। उन पर भारतीय न्याय सहिता की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे।16 जनवरी 2025 को बांद्रा के पाश इलाके में स्थित 12वीं मंजिल के अपार्टमेंट के अंदर खान पर हमला हुआ था। 54 वर्षीय अभिनेता की लीलावती अस्पताल में इमरजेंसी सर्जरी हुई थी और पांच दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

क्या तमिलनाडु के वित्त मंत्री इंग्लैंड के राजा हैं, मद्रास हाई कोर्ट ने लगाई टीवीके नेता को फटकार

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन को पुडुचेरी की कोर्ट में पेश होने से छूट मांगने पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि वित्त मंत्री इंग्लैंड के राजा नहीं हैं जो अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट मांग सकें। दरअसल, तमिलनाडु के वित्त मंत्री और टीवीके नेता मैरी विल्सन पर 2022 में अपने भाई और भाभी के साथ मारपीट करने का आरोप है। वित्त मंत्री ने इस मामले पुडुचेरी की निचली अदालत में पेश न होने की अनुमति मांगते हुए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान विल्सन के वकील ने तर्क दिया कि राज्य विधानसभा का सत्र चल रहा है, इसलिए उन्हें पेशी से छूट दी जानी चाहिए।

क्या वो इंग्लैंड के राजा हैं: अदालत ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि क्या तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन इंग्लैंड के राजा हैं जो कोर्ट में पेश नहीं हो रहे? न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने पूरा उदाहरण देते हुए कहा कि पी.वी. नरसिम्हा राव ने भी प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए अदालत में उपस्थित होकर कानूनी प्रक्रिया का सामना किया था, इसलिए जनप्रतिनिधि कानून से ऊपर नहीं।

क्या वह मना कर सकते हैं: कोर्ट ने सवाल किया कि जब मैरी विल्सन मंत्री बनने से पहले अदालत में पेश हो चुके हैं, तो क्या मंत्री बनने के बाद वह अदालत में पेश होने से इनकार कर सकते हैं? हाई कोर्ट ने मंत्री के वकील से कहा कि वह अदालत को उस तरीख की जानकारी दें, जब विल्सन पुडुचेरी की अदालत में पेश होंगे।

सरकार के उपाय नहीं आ रहे काम, बढ़ने लगे प्याज के दाम, 80 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

लखनऊ, पटना, एजेंसी। सावन में घटी हुई मांग और पर्याप्त आपूर्ति ने प्याज की कीमतों को थोक में नियंत्रण में रखा, परंतु रिटेल में व्यापारी मुनाफाखोरी करने से नहीं चूक रहे।

नासिक में प्याज के पुराने स्टॉक की कमी का असर अब बाजार पर दिखने लगा है। कीमतों पर नियंत्रण के सरकार के उपाय काम नहीं आ रहे और देश के अलग-अलग राज्यों में प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में खुदरा प्याज 50 से 55 रुपये किलो बिक रहा है, लेकिन खुले बाजार में 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। कुछ राज्यों में प्याज के दाम 80 रुपये तक पहुंच गए हैं।

कानपुर की चकरपुर मंडी में प्याज की रोजाना आवक 6.50 लाख किलो से घटकर पांच लाख किलो रह गई है, जिससे थोक भाव बढ़कर 42-45 रुपये



किलो पहुंच गया है। चकरपुर मंडी सब्जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सोरभ पांडेय ने बताया कि बीते तीन दिन में ही लगभग 10 रुपये तक भाव बढ़ चुके हैं।

अब मध्य प्रदेश के शिवपुरी व राजस्थान के अलवर से ट्रकों से सीमित मात्रा में प्याज आ रहा है। नई फसल की

आवक शुरू होने तक बाजार में तेजी रहेगी। आगरा की सिकंदरा मंडी में नासिक से रोज करीब 15 ट्रक प्याज (तीन लाख किलो) आने के कारण थोक भाव फिलहाल 40 रुपये किलो बना हुआ है। आढ़तिय मजोज कालरा का कहना है कि अगले सप्ताह से मांग

विश्व बैंक एमडी डोनोहोई ने सराही उत्तराखंड की 24 घंटे जलापूर्ति योजना, 5 लाख से अधिक लोगों को मिला लाभ



देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में विश्व बैंक से वित्त पोषित विभिन्न योजनाओं के परिणाम का बैंक की टीम इन दिनों जायजा ले रही है। विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक पास्कल डोनोहोई की अगुआई में आई इस टीम ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दौरे के बाद देहरादून के खदरी खड़कमाफी क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान डोनोहोई ने क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को देखा। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पेयजल योजना से उन्हें 24 घंटे जलापूर्ति हो रही है। डोनोहोई ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट

में इस क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए कहा कि 24 घंटे जलापूर्ति ने जिंदगी की तस्वीर बदली है। उन्होंने कहा कि समूचे उत्तराखंड में विश्व बैंक की साझेदारी ने पांच लाख से अधिक लोगों तक विश्वसनीय जलापूर्ति पहुंचाने में मदद की है।

विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक पास्कल डोनोहोई ने किया दौरा: विश्व बैंक से वित्त पोषित उत्तराखंड अर्द्ध नगरीय क्षेत्र कार्यक्रम के अंतर्गत डोईवाला क्षेत्र के खदरी खड़कमाफी के लिए वर्ष 2019 में पेयजल योजना स्वीकृत हुई, जो वर्ष 2021 में

पूरी हुई।

तब से इस क्षेत्र के निवासियों की पेयजल से जुड़ी दिक्कत दूर हो गई है। विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक डोनोहोई ने गत दिवस अपर सचिव पेयजल झरना कमठान समेत अन्य अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत में पेयजल व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेयजल योजना बनने के बाद इस क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है।

डोनोहोई ने एक्स पर किया पोस्ट: डोनोहोई ने एक्स पर पोस्ट में अपने इस दौर का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि जब परिवार हर दिन सुरक्षित पानी पर भरोसा कर सकते हैं, तो क्या बदलता है। उत्तराखंड के खदरी खड़कमाफी क्षेत्र में सभी परिवारों को अब लगभग 24 घंटे पानी की आपूर्ति उपलब्ध है। इससे काम, परिवार और आय अर्जित करने के लिए उनका समय बच रहा है।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था। आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है। समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा? अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संशोधित रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा। इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रंगते खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरे वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूकम्प के मतलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं। बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा 11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक



लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11 सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरण बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक

लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुरूवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को +प्राथमिकता+ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री क्षिरि खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कोशल की आवश्यकता होती है। मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य त्रिशुली नदी में

150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मारक, दस्ताने, और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है। जबकि 37 लोग अब भी लापता हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेदु अधिकारी ने शुरूवार रात यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन दो पर्यटकों से संपर्क हुआ है, वे उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट उपमंडल के रहने वाले हैं।

शुरूवार रात मुख्यमंत्री ने लापता पर्यटकों के परिजनों के साथ वचुअल बैठक की।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं। नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है। किन देशों की मिली है मंजूरी नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ नहीं भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। विदेशी मीडिया के लिए नए नियम क्या है इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपरॉइजमेंट लेटर या एप्रोपेट जमा करना होगा।



आम सूचना

सर्व साधारण व्यक्ति, संस्थायें, निकय एवं वित्तीय संस्थानों को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्री पुरुषोत्तम मिश्रा पिता श्री रामप्रसाद मिश्रा, निवासी 843-A/35, स्क्रीन नं. 114 पार्ट-1, इंदौर, मध्यप्रदेश -452010, विक्रेता/अनुबंधकर्ता के अधिपत्य की संपत्ति भूमि खसरा नं. 18/2,20, स्कबा 0.158 हे. एवं 0.526 हे. भूमि खसरा नं. 18/2,20, स्कबा 0.158 हे. कुल 1 एकड़ 60 डिसमिल भूमि, ग्राम बारी, पटवारी हल्का सरस्वका, तहसील अभिमापटन, जिला मैहर, मध्यप्रदेश, की भावी क्रेता / अनुबंध प्रह्वीता श्रीमती अस्का सिंह, निवासी आरएच.-44, क्लासिक पूर्णिमा स्टेट, इंदौर, मध्यप्रदेश के साथ विक्रय हेतु किया जा रहा है। अतः उक्त भूमि से संबंधित किसी व्यक्ति, संस्था, निकय एवं वित्तीय संस्थान को यदि कोई हित, अधिकार, स्वत्व, दावा, आपत्ति, बंधक अथवा अन्य किसी प्रकार का भार हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर मो. 9826086504 अथवा अधिकृत अभिभाषक के सम्बंध लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा उक्त अवधि के उपरांत उक्त संपत्ति को निर्विवाद एवं भारमुक्त मानते हुए मेरे पक्षकार अस्का सिंह उक्त संपत्ति का क्रय करने हेतु स्वतंत्र होंगे तथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा मान्य नहीं होगी।

अरगट खदान प्रभावित 6 पंचायतों के 22 स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी: स्माइलिंगटियर्स फाउंडेशन ने अल्ट्राटेक से मांगी CSR मदद, मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा

फाउंडेशन ने जिला कलेक्टर, सांसद गणेश सिंह और विधायक डॉ. राजेंद्र सिंह के समक्ष भी मांगें रखी हैं।

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अरगट लाइमस्टोन खदान से प्रभावित गांवों के सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी का मामला अब शासन-प्रशासन तक पहुंच गया है। दिल्ली स्थित सेक्शन-8 कंपनी स्माइलिंगटियर्स फाउंडेशन ने क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा, स्वच्छता और सुरक्षित परिवहन से जुड़ी समस्याओं को लेकर अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की सीधी सीमेंट वर्क्स इकाई के CSRविभाग से सहायता की



कंपनी के अनुसार CSR के तहत: 2021-22 में 333.77 लाख, 2022-23 में 488.90 लाख, 2023-24 में 520.49 लाख और 2024-25 में 535.60 लाख रुपए खर्च किए गए। इस तरह चार वर्षों में कुल व्यय करीब 18.78 करोड़ रुपए बताया गया है। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक राशि खर्च होने की जानकारी भी दी गई है।

मांग की है। संस्था की ओर से पिछले कुछ महीनों में कंपनी

को कई पत्र भेजे गए हैं फाउंडेशन ने अरगट, खोड़री, जुड़मानी, जिगना, छिरहाई और हिनौती ग्राम पंचायतों के सरकारी स्कूलों का सर्वे कर वहां की समस्याओं को चिन्हित किया है। संस्था के अनुसार इन छह पंचायत क्षेत्रों के कुल 22 स्कूलों में शौचालय, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति सुधारने की जरूरत है। फाउंडेशन के सर्वे के मुताबिक कई स्कूलों में शौचालय और

पेयजल की व्यवस्था जरूर है संस्था का कहना है कि विशेष रूप से बालिकाओं के लिए पर्याप्त और सुरक्षित शौचालय की सुविधा नहीं होने से उनकी शिक्षा प्रभावित हो सकती है। चिन्हित स्कूलों में नए शौचालय निर्माण, पुराने शौचालयों की मरम्मत और पेयजल व्यवस्था के लिए करीब 1.15 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत बताई गई है संस्था ने खोड़री, जुड़मानी, जिगना, छिरहाई और हिनौती क्षेत्र के स्कूलों के लिए करीब 97.80 लाख रुपए तथा अरगट क्षेत्र के छह स्कूलों के लिए करीब 17.10 लाख रुपए की आवश्यकता बताई है।

बच्चों के लिए बस सेवा की भी मांग: फाउंडेशन ने प्रभावित गांवों के बच्चों के लिए आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल और आदित्य बिड़ला हायर सेकेंडरी स्कूल, सीधी तक समर्पित बस सेवा शुरू करने का भी अनुरोध किया है। संस्था के अनुसार सुरक्षित

परिवहन की सुविधा नहीं होने के कारण कई अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला नहीं दिला पाते। कंपनी से चालू सत्र में प्रवेश में सहायता, गांवों और स्कूलों के बीच बस सेवा शुरू करने, ग्राम पंचायतों के साथ संयुक्त बसें कराने और इसे दीर्घकालिक एस्कुर परियोजना के रूप में लेने की मांग की गई है। पत्र के साथ अभिभावकों की सहमति सूची और पंचायत प्रतिनिधियों के समर्थन पत्र भी लगाए जाने की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा मामला: फाउंडेशन ने इस मामले को कंपनी तक सीमित नहीं रखा। संस्था ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिला कलेक्टर, सांसद और विधायक के समक्ष भी समस्या रखी है। संस्था के अनुसार मुख्यमंत्री के मेहर प्रवास के दौरान उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस विषय से अवगत कराया गया था। इसके बाद

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जवाब देते हुए बताया गया कि प्रकरण को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित प्रोग्राम शाखा को भेज दिया गया है।

चार साल में CSR पर 18.78 करोड़ रुपए खर्च: अल्ट्राटेक सीमेंट की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, अवसरंचना और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में CSR गतिविधियां संचालित कर रही है। कंपनी ने दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और एक IT। गोद लेने की जानकारी दी है। अब स्थानीय लोगों की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से मामला संबंधित शाखा को भेजे जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर क्या कार्रवाई होती है और अल्ट्राटेक सीमेंट की एस्कुर समिति प्रभावित गांवों के स्कूलों से जुड़े इन प्रस्तावों पर कब तक निर्णय लेती है।

सतना में बाढ़ से भारी क्षति, तत्काल राहत और बचाव कार्य की मांग: अजय सिंह



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने सतना जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और उससे उत्पन्न बाढ़ की स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने चित्रकूट, बिरसिंहपुर, जेतवारा सहित जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जलभराव से घरों में पानी घुसने तथा जान-माल को हुए नुकसान पर दुःख व्यक्त किया। अजय सिंह ने क्षेत्रवासियों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जरूरी न हो, घरों से बाहर निकलने से बचें। यदि किसी क्षेत्र में पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा है तो लोग तत्काल सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर चले जाएं। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में

समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करनी चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और मवेशियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए उन्होंने लोगों से अपवादों से बचने और धैर्य बनाए रखने को कहा।

प्रशासन युद्ध स्तर पर चलाए राहत अभियान: पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने स्थानीय प्रशासन से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ उनके लिए भोजन, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं की तत्काल व्यवस्था की जानी चाहिए। अजय सिंह ने नगरिकों से भी अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल शासकीय हेलपलाइन अथवा शान्ति कक्ष से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन और आमजन के समन्वित प्रयास से बाढ़ की इस कठिन परिस्थिति में प्रभावित परिवारों को जल्द राहत पहुंचाई जा सकती है।

युवा संवाद-खेलो इंडिया डायलॉग कार्यक्रम सम्पन्न

पीएम मोदी के विकसित भारत @2047 के संकल्प में युवाओं की भूमिका पर हुआ मंथन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा देश का भविष्य नहीं, बल्कि विकसित भारत के सह-निर्माता (Co-creators of Viksit Bharat @2047) के रूप में देखने की अवधारणा पर चर्चा की गई। इसी भावना के अनुरूप विद्यार्थियों को अपने नए विचार, सुझाव एवं दृष्टिकोण प्रस्तुत कर राष्ट्र की भावी नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। युवा संवाद की मूल भावना को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प का

विशेष उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं को केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि विकसित भारत के सह-निर्माता (Co-creators of Viksit Bharat @2047) के रूप में देखने की अवधारणा पर चर्चा की गई। इसी भावना के अनुरूप विद्यार्थियों को अपने नए विचार, सुझाव एवं दृष्टिकोण प्रस्तुत कर राष्ट्र की भावी नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। युवा संवाद के आधिकारिक पोस्टर में भी युवाओं को विकसित भारत

सीधी में एसडीएम के औचक निरीक्षण में छात्रावास की खुली पोल: आरओ दो महीने से खराब, 50 छात्रों के लिए खाद्यान्न भी कम; अधीक्षक को फटकार



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी जनपद क्षेत्र के 50 सीटर बालक छात्रावास भदौर में शनिवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) सागर दिलीप जैन के आकस्मिक निरीक्षण में कई अव्यवस्थाएं सामने आईं। छात्रावास में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। बच्चों के पेयजल के लिए लगाया गया आरओ सिस्टम करीब दो

महीने से खराब बताया गया। वहीं करीब 50 छात्रों के लिए खाद्यान्न का स्टॉक भी कम पाया गया। व्यवस्थाओं में लापरवाही मिलने पर एसडीएम ने छात्रावास अधीक्षक कमलेश पाण्डेय को फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम जैन शनिवार को भदौर ग्राम पंचायत भवन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पहुंचे थे। उनके साथ तहसीलदार नाययण

सिंह भी मौजूद रहे। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित कुल 21 आवेदन प्रस्तुत किए। इनमें से कुछ आवेदनों का अधिकारियों ने मौके पर ही निराकरण किया।

अचानक छात्रावास पहुंचे एसडीएम: जनसमस्या निवारण शिविर समाप्त होने के बाद एसडीएम ने अचानक भदौर स्थित बालक छात्रावास का निरीक्षण करने

का निर्णय लिया। बिना पूर्व सूचना पहुंचे एसडीएम ने छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान परिसर और छात्रावास की साफ-सफाई अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली। निरीक्षण में बच्चों के लिए पेयजल की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में मिली। छात्रावास में लगाया गया आरओ सिस्टम करीब दो माह से खराब बताया गया। एसडीएम ने पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा लंबे समय से बंद रहने पर नाराजगी जताई और व्यवस्था जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

50 छात्रों के लिए खाद्यान्न भी कम: निरीक्षण के दौरान छात्रावास में उपलब्ध खाद्यान्न का भी जायजा लिया गया। करीब 50 विद्यार्थियों की क्षमता वाले छात्रावास में मौके पर लगभग 2 किलोग्राम दाल, 20 किलोग्राम चावल और 30 किलोग्राम गेहूं ही उपलब्ध पाया गया। छात्रों की संख्या के अनुपात में खाद्यान्न का स्टॉक कम मिलने पर एसडीएम ने

अधीक्षक से जवाब मांगा। उन्होंने छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को भोजन, पेयजल, स्वच्छता और अन्य जरूरी सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि छात्रावासों में बच्चों की सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश: निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को लेकर एसडीएम ने अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने, खराब आरओ को जल्द चालू कराने और छात्रों की आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। जनसमस्या निवारण शिविर और छात्रावास निरीक्षण के दौरान सरपंच मानवती पनाडियां, समाजसेवी के.के. सिंह बघेल, रमेश पहाड़िया, हल्का पटवारी, पंचायत सचिव, जीआरएस सहित ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लिलजी बांध के किसानों से धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं: मध्य प्रदेश किसान सभा ने पट्टा और मुआवजे की मांग उठाई



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लिलजी बांध में वर्षों से काबिज किसानों के अधिकारों को लेकर मध्य प्रदेश किसान सभा ने सरकार के सामने पट्टा और उचित मुआवजे की मांग रखी है। किसान सभा का कहना है कि बांध के विकास और जीर्णोद्धार का वह विरोध नहीं करती, लेकिन विकास के नाम पर वर्षों से खेती कर रहे किसानों की बेदखली किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। मध्य प्रदेश किसान सभा के अनुसार लिलजी बांध करीब 3200 एकड़क्षेत्र में फैला है। यहां आसपास के 12 गांवों के करीब 1800 किसान पीढ़ियों से जमीन पर काबिज होकर खेती-बाड़ी के माध्यम से अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। किसान

लिए सीपीएम नेता वृंदा सभा और महाराज पुष्पराज सिंह भी पहुंचे थे। आंदोलन का नेतृत्व ऑल इंडिया किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बादल राज ने किया था। किसान सभा के मुताबिक उस समय किसानों के आंदोलन और व्यापक विरोध के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सतना सांसद के साथ क्षेत्र में पहुंचकर काबिज किसानों को पट्टा देने की घोषणा की थी। किसान सभा का कहना है कि घोषणा के बावजूद किसानों को अब तक पट्टा नहीं मिल पाया है। और वे अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। किसान सभा के अनुसार 19 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से लिलजी बांध के

जीर्णोद्धारऔर जलभराव कर इसे सिंचाई के लिए उपयोगी बनाने की घोषणा की है। किसान सभा ने कहा कि वह जल संरचनाओं के विकास और संरक्षण के खिलाफ नहीं है। संगठन का कहना है कि बांध का विकास किसानों और क्षेत्र के हित में होना चाहिए, लेकिन इसके लिए वर्षों से काबिज किसानों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मध्य प्रदेश किसान सभा ने सरकार से मांग की है कि लिलजी बांध में काबिज किसानों को उनकी जमीन कापट्टा दिया जाए। इसके साथ ही बांध के विकास के कारण जिन किसानों की जमीन डूब क्षेत्र में आएगी, उन्हें भूमि अधिग्रहण कानून-2013 के प्रावधानों के अनुसार उचित मुआवजादिया जाएं।

सीधी के सरकारी स्कूल में QR कोड से पढ़ाई, शनिवार को मोबाइल लाना जरूरी: पेड़-पौधों और महापुरुषों की तस्वीरों पर लगे कोड; शिक्षक को राष्ट्रीय पुरस्कार



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमतौर पर सरकारी स्कूलों में बच्चों के मोबाइल लाने पर रोक रहती है, लेकिन सीधी जिले के कंजवार मिडिल स्कूल में पढ़ाई का तरीका इससे बिल्कुल अलग है। यहां सप्ताह में एक दिन, शनिवार को विद्यार्थियों के लिए मोबाइल लाना जरूरी किया गया है। हालांकि मोबाइल का इस्तेमाल मनोरंजन के

लिए नहीं, बल्कि QR कोड आधारित पढ़ाई के लिए किया जाता है। स्कूल परिसर में पेड़-पौधों, महापुरुषों की तस्वीरों और विभिन्न स्थानों पर क्लिक कोड लगाए गए हैं। बच्चे इन्हें मोबाइल से स्कैन कर संबंधित विषय की जानकारी हासिल करते हैं। स्कूल में पदस्थ शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह बालेंद्र के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।



शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित करेंगी।

गेट से स्टे मिलता है ज्ञान का स्देश: जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित इस स्कूल के प्रवेश द्वार पर 'ज्ञानार्थ आए, सेवार्थ जाइए' लिखा हुआ है। स्कूल में शनिवार को बच्चे सामान्य बैग की

जगह कॉपी-पेन और मोबाइल लेकर पहुंचते हैं। स्कूल परिसर में लगे पेड़-पौधों और दीवारों पर लगी महापुरुषों की तस्वीरों के नीचे क्लिक कोड लगाए गए हैं। बच्चे मोबाइल से कोड स्कैन करते हैं और स्क्रीन पर संबंधित पेड़, पौधे या व्यक्ति से जुड़ी जानकारी पढ़ते हैं। इसके बाद शिक्षक बच्चों से सवाल पूछकर यह भी देखते हैं कि उन्होंने कितनी जानकारी समझी।

मोबाइल को पढ़ाई का माध्यम बनाया: शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह बताते हैं कि गांवों में लगभग हर परिवार के पास मोबाइल फोन है और बच्चे भी मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में मोबाइल से पूरी तरह दूरी बनाने के बजाय उन्होंने इसके उपयोग को पढ़ाई से जोड़ने का प्रयास किया। शनिवार को बच्चे स्कूल परिसर में अलग-अलग क्लिक कोड स्कैन करते हैं। इसके बाद उनकी समझ परखने के लिए टेस्ट लिया जाता है। बच्चों से पूछा जाता है कि उन्होंने मोबाइल पर क्या जानकारी देखी और उससे क्या सीखा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें दोबारा विषय समझने के लिए कहा जाता है। शैलेन्द्र बताते हैं कि स्कूल में लगाए गए क्लिक कोड उन्होंने खुद तैयार किए हैं। परिसर में राज्यपाल, मुख्यमंत्री,

विधायक, कलेक्टर, एसपी सहित राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और महापुरुषों से जुड़ी जानकारी भी प्रदर्शित की गई है।

दो साल में बदली स्कूल की तस्वीर: शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने 13 अगस्त 2024 को कंजवार स्कूल में प्रभारी प्राचार्य के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। उनके अनुसार उस समय स्कूल की स्थिति खराब थी और उसे आंगनवाड़ी भवन में संचालित करना पड़ रहा था। उन्होंने ग्रामीणों से संपर्क किया और सहयोग से करीब 5 लाख रुपए जुटकर स्कूल की मरम्मत, बाउंड्रीवॉल, रो-रोगन, फर्नीचर और पेयजल की व्यवस्था कराई। उस समय स्कूल में 69 बच्चे दर्ज थे। अभिभावकों से संपर्क के बाद नामांकन बढ़कर 202 हो गया। छात्रों की संख्या 36 से बढ़कर

107 पहुंची, जबकि विद्यार्थियों की उपस्थिति 44 प्रतिशत से बढ़कर करीब 96 प्रतिशत हो गई। इसके अलावा 26 ड्रैपआउट बच्चों की दोबारा पढ़ाई शुरू हुई। स्कूल परिसर में बच्चों के लिए सज्जियों का बगीचा भी तैयार किया गया है। यहां जैविक तरीके से सब्जियां उगाई जाती हैं, जिनका उपयोग मध्याह्न भोजन में किया जाता है। बगीचे में लगे सज्जियों के पौधों पर भी QR कोड लगाए गए हैं। शैलेन्द्र के अनुसार बच्चों और शिक्षकों द्वारा मिलकर बगीचे के पेड़-पौधों की जाँच की जाती है। उनका कहना है कि शिक्षक बनने के बाद से ही कुछ नया करने की इच्छा रही और नई शिक्षा नीति के तहत मिले अवसरों का उपयोग करते हुए स्कूल में प्रयोग किए गए इस काम में साथी शिक्षकों और ग्रामीणों का भी सहयोग मिला।

जिले में अब तक 525.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज पिछले 24 घंटे में हुआ तहसील में 86 मिली मीटर हुई वर्षा

रीवा। रीवा जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान 20 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में तहसील हुजूर क्षेत्र में सर्वाधिक 86 मिलीमीटर, गुदु में 36 मिलीमीटर और रायपुर कर्चुलियान में 16 मिमी वर्षा दर्ज की गई। तहसील हुजूर क्षेत्र में भारी वर्षा होने से रीवा शहर के कई मोहल्लों में जल भराव की स्थिति बनी। इस संबंध में तहसीलदार भू संसाधन प्रबंधन महेश श्रीवास्तव ने बताया कि तक रीवा जिले में एक जून से अब तक औसतन 525.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि तक जिले में 732.5 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी थी। इस प्रकार पिछले वर्ष के मुकाबले चालू वर्ष में अब तक करीब 206.7 मिलीमीटर कम वर्षा हुई है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिया तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकाश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिसपर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सके।।। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक़्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के चर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाने हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटरनशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं।

आज का इतिहास
1813 - कुलम की पहली लड़ाई: ऑस्ट्रियाई-प्रशिया-रूसी गठबंधन ने फ्रांसीसी सेनाओं को पराजित किया था.
1835 - ऑस्ट्रेलिया: मेलबोर्न, विक्टोरिया की स्थापना हुई थी.
1842 - एंग्लो चीन युद्ध समाप्त हुआ था.
1873 - ऑस्ट्रियाई खोजकर्ता जोसेफ्स वॉन पेयर और कार्ल वीफ्रेड ने आकटिक सागर में फ्रांज जोसेफ भूमि के द्वीपसमूह की खोज की थी.
1909 - चार्ल्स डूलिटल बालकोट ने बर्गस शैल जीवाश्मों की खोज की थी.
1914 - प्रथम विश्व युद्ध: जर्मनी ने टैननबर्ग को लड़ाई में रूसियों को हराया था.
1923 - उत्तर-पूर्वी टर्क और केको के उष्णकटीबंधीए आँधी के साथ तूफान का मौसम शुरू हुआ था.
1940 - रोमानिया से हंगरी तक उत्तरी ट्रांसिल्वेनिया के क्षेत्र को दूसरा विथना पुरस्कार एक बार फिर सौंप दिया था.
1942 - द्वितीय विश्व युद्ध: आलम एल हाल्फा की लड़ाई शुरू हुई थी.
1945 - हांगकांग का जापानी कब्जा खत्म हो गया था.
1945 - सहयोगी बलों के सुग्रीम कमांडर, जनरल डगलस मैक आर्थर अल्टुग्री वायुसेना बेस में उतरे थे.
1945 - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी को नियंत्रित करने वाली सहयोगी नियंत्रण परिषद अस्तित्व में आयी थी.
1947 - डॉ? भीम राव अंबेडकर ने नेतृत्व में भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए एक प्रारूप समिति का गठन किया गया था.
1962 - जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पहला विमान और एनएएमसी वाईएस - 11 का परीक्षण किया गया था जो युद्ध के बाद में एकमात्र सफल वाणिज्यिक विमान था.
1963 - यू.एस. और सोवियत संघ के नेताओं के बीच मास्को-वाशिंगटन हॉटलाइन ऑपरेशन में शुरु हुआ था.।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से साप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बढ़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।
उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का

निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुके हैं।

आवश्यकता है। अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्ज़ियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा

आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है।



ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबाबर बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक

की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्सालिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है। इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरोशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी,

अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी

की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती। भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में।

इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा। मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेप में बांधने की गारंटी नहीं देती।बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

हिमनद फटने से आई नेपाल में आपदा

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही का मूल कारण भूकंप नहीं बल्कि हिमनद का फटकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपना आरंभिक आकलन बदलते हुए कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, अपितु एक हिमनद के बम की तरह फटकर ढहने और उसके मलबे के तेज बहाव के कारण आई है। इसके पहले इसी एजेंसी ने गोसाई कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

नेपाल के अखबार ‘काठमांडू पोस्ट’ के अनुसार 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिटांग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ है। इससे पहले 2015 में आए भूकंप के केंद्र में भी यही पहाड़ था। हालांकि अभी भी नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर हिमनद के टूटने से जो बाढ़ आई है, उसके कारणों की पड़ताल की जा रही है। बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते जलवायु परिवर्तन भी इस आपदा का कारण माना जाता रहा है। ऐसा है तो दुनिया के विकसित देशों को इस जल प्रलय का समाधान खोजने की जरूरत है।

प्रमोद भार्गव

फिलहाल हिमालयी पर्यावरण बिगाड़ने में चीन का सर्वाधिक योगदान है। इस तबाही की शुरुआत भी नेपाल-चीन सीमा पर बहने वाली ल्हेदे नदी में बाढ़ के मलबे में आई रुकावट से मानी जा रही है। इस रुकावट के टूटने से पहले एक बड़ी हिमनद झील बन गई थी। इसके फटने से भोटेकोशी नदी में कीचड़ और बड़े-बड़े पथरों का सैलाब आ गया था। इसके नीचे नेपाल की बस्तियों में बहने से तबाही मची। नतीजतन 359 लोग बाढ़ ने लील लिए और 826 लापता हैं, इनमें भारत समेत अन्य देशों के 590 पर्यटक हैं। इस घटना से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आबाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है।

नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्लान बन गया है, वह 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित थी और मानव बस्तियां भी नहीं थीं। अधिक ऊंचाई पर होने के कारण आबाजाही की कम थी। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार के विज्ञानियों द्वारा किए आकलन से पता चला है कि ऐसी 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। चेतावनी दी गई है कि इनसे नेपाल की नदी प्रणालियों में इन हिमनदों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 झीलें हिमनद



नेपाल में हैं और 25 झीलें तिब्बत की सीता पर स्थित हैं। ये हिमनद उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं। अतएव इनके फटने से बाढ़ आती है तो नीचे की ओर बसे जन समुदायों और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यही संकट वर्तमान में नेपाल की संरचनात्मक तबाही में देखा जा रहा है। यह चेतावनी यदि अनुमान पर खरी उतरती है तो कहा जा सकता है कि नेपाल बर्बादी के मुहाने पर बसा है। भारत में भी इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़े उराने वाले हैं। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उतराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं। क्योंकि इन झीलों में

बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं। लड़ाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनदों की संख्या में से 2,431 ऐसे हिमनद हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 10 हektयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से लीं गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई हैं। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता

बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिशत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेशियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। पिछले साल 05 अगस्त 2025 को उतराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीषण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिश ने गंगोत्री और हरिश्चल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठनी पड़ सकती है। साफ है, वैश्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिश, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंग्ज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृश्य खतरे इर्द-गिर्द फैल चुके हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल, वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवशोषित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा

महासागरों में विलय हुआ है।

इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवशोषित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ेगा, जो न केवल मानव बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। हिमालय पर कई वर्षों से अध्ययन कर रहे ‘वांडिया भू-विज्ञान संस्थान’ की रिपोर्ट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिश होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूषण से भी हिमखंड दूषित कार्बन की चपेट में आए हैं।

आज का राशिफल

मेष - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष - शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में सदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व सतान पथ से थोड़ी चिंता रहेगी। नौकरी में पदेन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन - शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क - रुपए पैसेों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह - समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला - निर्मूल शकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फीलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक - घर के सदस्य मर्द करेंगे और साथ ही आर्थिक बढ़हाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु - चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, सतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठ होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर - थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुम्भ - कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहामुसी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेगों में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

मीन - प्रतिष्ठ बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यवसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

सांसद कार्यालय में रक्षाबंधन समारोह, 1500 से अधिक महिलाओं ने बांधी राखी: सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने साड़ी और नकद राशि देकर किया सम्मान



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। रक्षाबंधन के अवसर पर शनिवार को पिपरिया स्थित सांसद कार्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और बहनें शामिल हुईं। इस दौरान सांसददर्शन सिंह चौधरीने उपस्थित महिलाओं से राखी बंधवाई और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में शामिल करीब1500 महिलाओं को साड़ी और नकद राशिउपहार के रूप में प्रदान की गई कार्यक्रम में शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी महिलाएं पहुंचीं महिलाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी के कारण सांसद कार्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। आयोजन के दौरान महिलाओं ने सांसद को राखी बांधी और

उनके साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

पुष्प वर्षा कर बहनों का स्वागत: समारोह में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कार्यक्रम में पहुंची बहनों कापुष्प वर्षा कर स्वागतकिया उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और कृषि



मंत्री की ओर से भी क्षेत्र की बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं सांसद ने अपने संबोधन मेंलाइली लक्ष्मी योजनाको लेकर भी बात रखी उन्होंने कहा कि योजना राशि में वृद्धि के साथ यह निरंतर जारी रहेगी और बहनों की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है उन्होंने कहा कि महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुनने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि हमेशा तत्पर रहेंगे।

1500 बहनों को साड़ी

दौरान महिलाओं ने सांसद को राखी बांधी और कार्यक्रम में शामिल होकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

भाजपा पदाधिकारी भी रहे मौजूद: समारोह में पूर्व विधायकहरिशंकर जायसवाल, विधानसभा प्रभारीनवनीत सिंह नागपाल,संपत मूंदड़ा, पूर्व मंडी अध्यक्षदिनेश पटेल, जनपद अध्यक्षसंध्या सिंगारे, जनपद सदस्यनरसिंह रावत, नगर भाजपा अध्यक्षबलराम ठाकुर, युवा मोर्चा अध्यक्षपवन कहारसहित कई भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी प्रमुख रही सांसद कार्यालय में आयोजित इस रक्षाबंधन समारोह के दौरान बहनों ने राखी बांधकर पर्व मनाया, वहीं उन्हें साड़ी और नकद राशि उपहार में दी गई सांसद ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं और शिकायतों को प्राथमिकता से सुना जाएगा तथा स्थानीय स्तर पर उनके समाधान के लिए जनप्रतिनिधि उपलब्ध रहेंगे।



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। बीजनवाड़ा रोड स्थित सावरिया टाउन के पास गुरुवार शाम एक दुर्लभ बाज का बच्चा बिजली के खंभे के नीचे मिला रास्ते से गुजर रहे दो युवकों ने प को देखा तो बाइक रोककर उसे सुरक्षित अपने हाथों में उठाया और वन विभाग को सौंप दिया वन विभाग की टीम ने प की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया। अधिकारियों ने युवकों की जागरूकता और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता की सराहना की जानकारी के मुताबिक गांव निवासी नीलेश कहार और रोहित कहार बाइक से बीजनवाड़ा रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक बाज का बच्चा अचानक बिजली के खंभे से नीचे आकर उनके पास पहुंच गया प को असहाय अवस्था में

देखकर दोनों युवकों ने तत्काल बाइक रोकी और उसे सुरक्षित तरीके से अपने हाथों में उठा लिया इसके बाद युवकों ने बाज के बच्चे को वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया। वन विभाग की टीम ने प की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया।

वन विभाग ने युवकों की पहल को सराहा: एसडीओ आशीष खोवरगढ़ ने युवकों की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि वन्यजीवों के प्रति इसी तरह संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है उन्होंने बताया कि किसी जंगली प या वन्यजीव के संकट में मिलने पर उसे अपने पास रखने के बजाय वन विभाग को सूचना देना अधिक उचित है।

नर्मदापुरम में स्कूल बस पलटी, 4 छात्र घायल: सोहागपुर में सूकरी-चुरका के बीच मोड़ पर हादसा, ड्राइवर और महिला कंडक्टर भी घायल



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई हादसा ग्राम सूकरी और चुरका के बीच करीब सुबह 7:30 बजे हुआ बस में चार विद्यार्थी सवार थे। दुर्घटना में चारों छात्र, बस ड्राइवर और महिला कंडक्टर घायल हो गए सभी घायलों को डायल-112 की मदद से सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया गया डॉक्टरों के अनुसार घायलों को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2430 शनिवार सुबह गांवों से विद्यार्थियों को लेने जंगल की ओर गई थी। इसी दौरान सूकरी और चुरका गांव के बीच एक मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित हो गई। चालक बस को संभाल नहीं सका और वाहन सड़क किनारे पलट गया।



बस एक पलटी खाने के बाद तिरछी अवस्था में जाकर रुक गई।

मोड़ पर तेज रफ्तार की बात, पुलिस जांच में जुटी: स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय बस की रफ्तार तेज थी। मोड़ पर चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया, जिसके बाद बस पलट गई हालांकि, तेज रफ्तार के कारण हादसा होने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है पुलिस मामले की जांच कर रही है और

दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है हादसे की जानकारी मिलते ही डायल-112 का स्टाफ मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बस में फंसे विद्यार्थियों समेत अन्य घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहागपुर भेजा गया।

चार विद्यार्थी और दो कर्मचारी घायल: हादसे में घायल विद्यार्थियों की पहचान सौरभ ठाकुर (13), ऋषभ ठाकुर (14), मधु गुर्जर (14) और रागिनी पाल (15) के रूप में हुई है सौरभ और ऋषभ ग्राम बंदीछोड़, जबकि मधु और रागिनी चारगांव निवासी हैं बस चालक तुलसी प्रसाद, निवासी ग्राम करणापुर और महिला कंडक्टर वर्षा सिंह, निवासी सोहागपुर भी दुर्घटना में घायल हुए हैं सभी घायलों का अस्पताल में उपचार कराया गया।

करैरा में लंपी वायरस की दस्तक, आधा दर्जन गोवंश संक्रमित: पशुपालकों में चिंता; वैक्सीन की उपलब्धता पर उठे सवाल



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करैरा अनुविभाग क्षेत्र में गोवंश में लंपी रिकन डिजीज के मामले सामने आने से पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है क्षेत्र के कई गांवों में गायों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने

की बात सामने आई है। करैरा पशु चिकित्सालय के अनुसार अब तक करीब आधा दर्जन संक्रमित पशुओं की जानकारी सामने आई है वहीं पशुपालकों ने करैरा और दिनारा के पशु अस्पतालों में लंपी वायरस की वैक्सीन पर्याप्त मात्रा

में उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगाया है ग्राम टकटकी निवासी किसान लखन सिंह लोधी ने बताया कि उनकी एक गाय लंपी वायरस की चपेट में आ गई है। बीमारी के बाद गाय ने कई दिनों से खाना-पीना कम कर दिया है और दूध देना भी बंद कर दिया है इससे परिवार को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

वैक्सीन की कमी का आरोप: क्षेत्रीय निवासी दुर्ग सिंह लोधी ने दावा किया कि करैरा और दिनारा के पशु अस्पतालों में लंपी वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

नहीं है पशुपालकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण नहीं कराया गया तो संक्रमण अन्य गोवंश तक फैलने का खतरा बढ़ सकता है हालांकि पशुपालकों के इन आरोपों के बीच करैरा पशु चिकित्सालय के चिकित्सक अरविंद नरवरिया ने बताया कि क्षेत्र में लंपी वायरस के करीब आधा दर्जन मामले सामने आए हैं संक्रमित पशुओं का उपचार किया जा रहा है और उनके टीकाकरण की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जा रही है पशु चिकित्सालय की टीम प्रभावित पशुओं की लगातार निगरानी कर रही है।

ऐसे फैलता है लंपी वायरस: लंपी स्किन डिजीज गोवंश में होने वाली एक संक्रामक वायरल बीमारी है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, शरीर पर गांठें या घाव, खाना-पीना कम करना और दूध उत्पादन में कमी शामिल हैं यह बीमारी मुख्य रूप से मच्छर, मक्खी और टिक जैसे खून चूसने वाले कीटों के माध्यम से फैल सकती है पशुपालकों से अपील की गई है कि किसी पशु में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर उसे स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

मनेन्द्रगढ़ में नशे और चोरी की शिकायतें, वार्डवासियों में डर : पेट्रोलिंग गाड़ी एक महीने से खराब होने का दावा; संदिग्धों के घर पुलिस ने की सर्चिंग



प्रभावी रोक लगाने की मांग की वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से स्थिति गंभीर हो सकती है।

पेट्रोलिंग व्यवस्था पर भी

सवाल: वार्डवासियों ने शहर में पुलिस की नियमित गश्त को लेकर भी सवाल उठाए उनका दावा है कि सिटी कोतवाली की पेट्रोलिंग गाड़ी करीब एक महीने से खराब है वाहन के खराब रहने से शहर के विभिन्न इलाकों में

नियमित पेट्रोलिंग प्रभावित हो रही है लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त कम होने से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस की कमजोर

नियमित पेट्रोलिंग प्रभावित हो रही है लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त कम होने से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस की कमजोर

नियमित पेट्रोलिंग प्रभावित हो रही है लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त कम होने से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस की कमजोर

एमसीबी जिले में अब तक 927.7 मिमी औसत बारिश: कोटाडोल में सबसे ज्यादा 1190.3 मिमी, खड़गवां में सबसे कम 689.2 मिमी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में इस मानसून सीजन में अब तक अच्छी बारिश दर्ज की गई है जिले में 1 जून से 29 अगस्त 2026 तक 927.7 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों में बारिश की मात्रा में अंतर देखने को मिला है आंकड़ों के मुताबिक जिले में सबसे अधिक वर्षा कोटाडोल तहसील में 1190.3 मिमी दर्ज की गई है वहीं खड़गवां तहसील में सबसे कम 689.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है इस तरह जिले की तहसीलों में सर्वाधिक और न्यूनतम वर्षा के बीच करीब 501 मिमी का अंतर है। तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ में 991.3 मिमी, चिरमिरी में 913.8 मिमी, केल्लहारी में 739.1 मिमी,

भरतपुर में 1042.5 मिमी तथा कोटाडोल में 1190.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं खड़गवां में 689.2 मिमी बारिश हुई है आंकड़ों के अनुसार भरतपुर में भी एक हजार मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज हुई है। मनेन्द्रगढ़ में 991.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि चिरमिरी में यह आंकड़ा 913.8 मिमी रहा। केल्लहारी में 739.1 मिमी बारिश हुई है। प्रशासन द्वारा जिले में वर्षा के आंकड़ों का नियमित रूप से संधारण किया जा रहा है तहसीलवार बारिश की स्थिति के आधार पर मौसम और वर्षा से जुड़े हालात पर नजर रखी जा रही है 1 जून से 29 अगस्त तक जिले में दर्ज 927.7 मिमी औसत वर्षा से जिले में मानसून की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। आगामी दिनों में होने वाली बारिश के आंकड़े भी प्रशासन द्वारा दर्ज किए जाएंगे।

पांच दिन से सफाई बंद, जगह-जगह लगे कचरे के ढेर :11 मांगों पर हड़ताल जारी, आठ मांगें मानी फिर भी नियमितीकरण-पदोन्नति पर कर्मचारी अड़े



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी नगर पालिका के सफाईकर्मियों और अन्य कर्मचारियों की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रही। 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार से शुरू हुई हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है मुख्य मांगों, कॉलोनियों और गली-मोहल्लों में पांच दिनों से कचरा नहीं उठने के कारण जगह-जगह कचरे के ढेर लग

गए हैं इससे नागरिकों को पेशानी का सामना करना पड़ रहा है कर्मचारी नगर पालिका परिसर में धरने पर बैठे हैं। कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग को लेकर सोमवार से हड़ताल शुरू की थी। उनका कहना है कि कई मांगों लंबे समय से लंबित हैं। इन मांगों को लेकर कर्मचारी पहले भी कलेक्टर को जापन सौंप चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने

हड़ताल का निर्णय लिया हड़ताल में नगर पालिका के नियमित, आउटसोर्स और सफाईकर्म शामिल हैं। कर्मचारियों के काम पर नहीं आने से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुई है।

8 मांगों पर प्रशासन सहमत, दो मांगों पर कर्मचारी अड़े नगर पालिका प्रशासन ने कर्मचारियों की 11 में से 8 मांगों को मानने पर सहमति जताई है इसके बावजूद कर्मचारी हड़ताल खत्म करने को तैयार नहीं हैं कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण और पदोन्नति शामिल हैं कर्मचारियों का कहना है कि जब तक नियमितीकरण और पदोन्नति की मांग पर तत्काल कार्रवाई नहीं होती तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

इटारसी में बारिश जारी, तवा डैम 14 फीट खाली, इस सीजन एक बार भी नहीं खुले गेट, जलस्तर निर्धारित से नीचे



मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में सावन की विदाई के बाद भी रुक-रुककर बारिश जारी है। बीते 24 घंटे में इटारसी तहसील में 9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे इस सीजन का कुल आंकड़ा 696.4 मिमी हो गया है। हालांकि, लगातार बारिश के बावजूद तवा बांध का जलस्तर अभी भी निर्धारित स्तर से 14 फीट नीचे है और इस मानसून सीजन में अब तक इसके गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तवा बांध का जलस्तर 1152.60 फीट दर्ज किया गया। सामान्यतः 15 अगस्त तक बांध का जलस्तर लगभग 1166 फीट तक पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन अगस्त का दूसरा पखवाड़ा बीतने के बाद भी बांध इस आंकड़े से काफी दूर है।

अब तक एक बार भी नहीं खुले गेट: इस मानसून सीजन में तवा बांध के गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। इसका मुख्य कारण बांध में पर्याप्त जलभराव का न होना बताया जा रहा है। पिछले वर्षों में अच्छी बारिश के दौरान बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ता था और पानी की निकासी के लिए गेटों को 79 आपरेट करने पड़े थे, लेकिन इस बार स्थिति भिन्न है।

कैचमेंट में बारिश पर निर्भर जलस्तर: लगातार बारिश के बावजूद बांध का जलस्तर निर्धारित स्तर से नीचे बना हुआ है। तवा बांध के जलस्तर की आगे की स्थिति आने वाले दिनों की बारिश पर निर्भर करेगी। यदि क्षेत्र और बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होती है, तो जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना है। जिला नर्मदापुरम में शनिवार सुबह 8 बजे सेउन्नी घाट का जलस्तर 942 फीट दर्ज किया गया। वहीं, बरगी बांध का जलस्तर 421.15 मीटर और बरना बांध का जलस्तर 346.93 मीटर रहा।

यूपी का तस्कर 3 देसी पिस्टल-2 मेगजीन के साथ गिरफ्तार, बुरहानपुर में अवैध हथियार खरीदने आया था, केस दर्ज



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ खकनार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के शामली से हथियार खरीदने आए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से हाथ से बनी तीन देसी पिस्टल और दो खाली मेगजीन जब्त की गई हैं। खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंसार पिता अलमदीन चौधरी (22), निवासी आलमखुर्द, थाना कैराना, जिला शामली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जब्त हथियारों की अनुमानित कीमत 74,300 रुपए है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने ये हथियार किससे खरीदे थे।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ा आरोपी: पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम जामनिया में एक व्यक्ति बैग में अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से तीन देसी पिस्टल और दो खाली मेगजीन बरामद हुईं। आरोपी के पास हथियार रखने से संबंधित कोई लाइसेंस नहीं मिला, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पाचौरी क्षेत्र में होता है अवैध हथियारों का निर्माण: जिले में अवैध हथियारों का निर्माण पाचौरी क्षेत्र में किया जाता है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। वर्ष 2024 से अब तक अवैध हथियार तस्करी के 31 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान 172 देसी पिस्टल और 45 जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। साथ ही अवैध हथियार बनाने वाली कई फैक्ट्रियों का भी भंडाफोड़ किया।

रायसेन में फोटो खींचने को लेकर विवाद 20 लोगों ने युवक पर किया हमला,सिर पर चाकू लगने से 20 से ज्यादा टांके आए



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर में रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार देर शाम दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। करीब 20 लोगों ने लाठी-डंडों और चाकू से हमला किया, जिसमें योगेश पंथी के सिर में गंभीर चोट आई। उसे 20 से अधिक टांके लगे

और हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। इस हमले में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। घायल पक्ष के आनंद सिंह चंदेल ने बताया कि शिबू मालवीय, अमित, छोटू और योगेश पंथी भोपाल रोड स्थित दरगाह के पास चाय पीने गए थे। चाय पीने के बाद वे पुलिया के पास तस्वीरें ले रहे थे। इसी दौरान नशे की हालत में

खंडवा में मंगला एक्सप्रेस में केरल के 20 बच्चे बीमार

पेंट्री कार का खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, स्टेशन पर 40 मिनट ट्रेन रोककर इलाज

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। दिल्ली से केरल जा रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में शुक्रवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में सफर कर रहे 15 से 20 स्कूली बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना लिया था। खाना खाने के बाद कई बच्चों को उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत होने लगी। फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई है।

बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना रेलवे विभाग को मिली तो खंडवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोककर बच्चों का इलाज कराया गया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कोशल, सीएसपी अभिनव बारगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों की टीम ने ट्रेन में ही बच्चों की जांच कर उन्हें प्राथमिक उपचार और जरूरी दवाइयां दीं।

रात 9.05 बजे खंडवा पहुंची ट्रेन, करीब 40 मिनट रुकी: स्टेशन मास्टर

जीएल मीणा के मुताबिक, मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस रात करीब 9 बजकर 5 मिनट पर खंडवा रेलवे स्टेशन पहुंची। बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना पहले ही मिल चुकी थी, इसलिए स्टेशन पर डॉक्टरों की टीम को तैयार रखा गया था।

ट्रेन रुकते ही मेडिकल टीम ने प्रभावित बच्चों की जांच शुरू की। करीब 40 मिनट तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान बच्चों को प्राथमिक उपचार और दवाइयां दी गईं। इसके बाद रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर ट्रेन को भुसावल की ओर रवाना किया गया।

स्कूली दूर के बाद दिल्ली से केरल

बानसुजारा बांध के आठ गेट खोले, धसान में बढ़ा जलस्तर

315.25 मीटर पहुंचा जलस्तर, 792 घनमीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा,9 फीट तक बढ़ेगा पानी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर-टीकमगढ़ जिले की सीमा पर स्थित बानसुजारा बांध के आठ गेट शुक्रवार रात 8 बजे खोल दिए गए। जल संसाधन विभाग ने बांध में लगातार बढ़ रहे जलस्तर और सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया है। पहले से खुले दो गेटों के अलावा छह और गेट 0.75-0.75 मीटर तक खोले गए हैं। गेट खुलने के बाद धसान नदी में पानी का बहाव बढ़ गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने नदी किनारे और प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया है।

बानसुजारा बांध की पूर्ण भराव क्षमता 316.50 मीटर है। वर्तमान में बांध का जलस्तर 315.25 मीटर तक पहुंच गया है। बांध के आठ गेट 0.75 मीटर तक खोले जाने के बाद धसान नदी में करीब 792 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है।

वहीं, बांध में पानी की आवक अभी भी करीब 450 घन मीटर प्रति सेकंड बनी हुई है। लगातार पानी की आवक को देखते हुए विभाग बांध के जलस्तर और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

धसान नदी में 7 से 9 फीट तक

राखी बांधकर लौट रही बहन की हादसे में मौत

खंडवा में बाइक सवार ने टक्कर मारी, एक और हादसे में मां को घर ला रहे बेटे की मौत

महिला के पति अनिल करोड़ी किसान हैं, वहीं उनके दो बेटे हैं। दोनों एक निजी कंपनी में काम करते हैं और शादीशुदा हैं।

मां को राखी के लिए मायके छोड़ने निकला था बेटा, रास्ते में छूटा साथ: रक्षाबंधन के दिन दूसरी घटना में दूधवास निवासी 30 वर्षीय मनीष अपनी मां अन्नपूर्णा बाई को उनके मायके यानी मामा के घर ग्राम भैसावा लेकर जा रहा था। मां-बेटे बाइक से खुशी-खुशी घर से निकले थे। लेकिन माथनी और भैसावा के बीच सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। घायल मनीष को मृती अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे में मनीष की मां अन्नपूर्णा बाई और दूसरी बाइक सवार महेंद्र भी गंभीर घायल हुए हैं। दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया। मनीष की मौत की खबर जैसे ही परिवार को मिली, रक्षाबंधन का पर्व मातम में बदल गया।

वह अपने पीछे पत्नी, करीब डेढ़ साल की बेटी और चार साल के बेटे को छोड़ गया है। छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठने की खबर से गांव में भी शोक का माहौल है।

हादसे में बेटा सुरक्षित रहा लेकिन सिर के बल गिरने से महिला को अंदरूनी और गंभीर चोटें आ गईं। इलाज के लिए उसी समय अस्पताल लेकर जाने लगे, तभी महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृतिका की पहचान 45 वर्षीय मायाबाई पति अनिल करोड़ी निवासी ग्राम बड़ागांव गुजर के रूप में हुई है। वह रक्षाबंधन के लिए अपने बेटे के साथ सराय गांव में अपने मायके गई थी। देर शाम को भाईयों को राखी बांधने के बेटे के साथ घर लौट रही थीं, तभी पाड़ल्या गांव के पास हादसा हो गया।

नर्मदापुरम में सांदीपनी स्कूल की बस पलटी, 4 स्टूडेंट घायल

सोहागपुर में सूकरी-चुरका के बीच मोड़ पर हादसा, ड्राइवर और महिला कंडक्टर घायल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में शनिवार सुबह सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा सुबह करीब 7.30 बजे ग्राम सूकरी चुरका के बीच हुआ। बस में चार विद्यार्थी सवार थे। हादसे में चार विद्यार्थियों के साथ बस ड्राइवर और महिला कंडक्टर भी घायल हो गए। सभी को डायल-112 वाहन की मदद से सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायलों को मामूली चोटें आई हैं।

जानकारी के मुताबिक, सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2430 शनिवार सुबह गांवों से विद्यार्थियों को लेने जंगल की ओर गई थी। बस में चार विद्यार्थी सवार थे। सूकरी और चुरका गांव के बीच मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। बस एक पलटी खाने के बाद तिरछी होकर रुक गई।

तेज रफ्तार में मोड़ पर बिगड़ा

संतुलन: स्थानीय लोगों के मुताबिक बस की रफ्तार तेज थी। मोड़ पर चालक बस को नियंत्रित नहीं कर पाया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हालांकि, तेज रफ्तार की बात की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 का स्टफ मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने बस में फंसे और घायल विद्यार्थियों समेत अन्य लोगों को बाहर निकाला और सभी को

हटा में कच्चे मकान का आधा हिस्सा भरभराकर गिरा, बाल-बाल बचे लोग, बाकी हिस्सा भी खतरनाक स्थिति में

मीडिया ऑडीटर,दमोह (निप्र)। दमोह जिले के हटा थाना क्षेत्र के चंडी जी वार्ड में शनिवार दोपहर एक पुराने कच्चे मकान का आधा हिस्सा अचानक ढह गया। गनीमत रही कि घटना के समय मकान के आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। यह मकान राजू चक्रवर्ती का बताया जा रहा है, जिसका एक हिस्सा बारिश के पानी से कमजोर होकर गिरा। मकान काफी पुराना और जर्जर था। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, क्योंकि उनका कहना है कि भवन का शेष हिस्सा भी कभी भी गिर सकता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मकान की जर्जर स्थिति के बावजूद नगर पालिका द्वारा कोई नोटिस या कार्रवाई नहीं की गई।

24 घंटे में जिले में हुई 2 इंच औसत बारिश

सबसे ज्यादा राहतगढ़ में 3 इंच से अधिक पानी गिरा, सामान्य बारिश का 56% कोटा हुआ

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर जिले में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में जिलेभर में झमाझम बारिश हुई।

लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं।

पिछले 24 घंटे में राहतगढ़ में 80 मिमी, जैसीनगर में 72 मिमी, मालथौन में 72 मिमी, गढ़ाकोटा में 75 मिमी और सागर में 37 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश हुई। इस दौरान जिले में औसतन करीब 2 इंच बारिश दर्ज की गई है।

इस बारिश के साथ जिले में अब तक सीजन की औसत बारिश का 56.6 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

सीजन में अब तक 27.5 इंच औसत बारिश: बारिश के इस सीजन में अब तक सागर जिले में 697.6 मिमी यानी 27.5 इंच औसत बारिश हो चुकी है।

पिछले वर्ष 29 अगस्त तक जिले में 984.7 मिमी यानी 38.8

इंच बारिश दर्ज की गई थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 29 अगस्त तक जिले में करीब 29.1 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं, जिले की सामान्य औसत बारिश की तुलना में अब तक 56.6 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

31 अगस्त से फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब कमजोर होकर समाप्त होने की स्थिति में है। इसके चलते शनिवार को जिले में बारिश का जोर कम होने की संभावना है। हालांकि आसमान में बादल छाए

रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बौछरें पड़ सकती हैं। बारिश के बीच कुछ समय के लिए धूप भी निकलने की संभावना है।

उत्तर बंगाल की खाड़ी में शनिवार-रविवार के आसपास एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच जिले में बादल छाने के साथ गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश और तेज बौछरें पड़ सकती हैं। फिलहाल जिले में बादल छाप रहने और मौसम के परिवर्तनशील बने रहने की संभावना है।

सूर्यकुमार ने की क्रिकेटरों से दूसरे खेलों को बढ़ावा देने की अपील

बोले- हम सबसे पहले एक टीम हैं



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्रिकेटरों से अपील की है कि वे दूसरे खेलों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अलग-अलग खेलों के भारतीय खिलाड़ी एक ही राष्ट्रीय खेल इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस पर ‘आईएनएस’ से ??बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि यह दिन उन मूल्यों की याद दिलाता है जो खेल सिखाते हैं और भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी का भी एहसास कराता है। सूर्यकुमार ने ??कहा, ‘मुझे लगता है कि राष्ट्रीय खेल दिवस का मतलब है कि खेल आपको क्या सिखाते हैं। क्रिकेट के नजरिए से देखें तो भारतीय जर्सी पहनना बहुत मायने रखता है। हम सिर्फ 11 खिलाड़ियों या स्क्वाड के 15 खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते, हम लगभग 1.4 अरब लोगों के सपनों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।’ भारत के इस खिलाड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय जर्सी में हर बार मैदान पर उतरने के साथ पूरे देश की उम्मीदें और आकांक्षाएं जुड़ी होती हैं। उन्होंने कहा, ‘यह दिन मुझे याद दिलाता है कि जब भी हम मैदान पर कदम रखते हैं, तो हम अपने पूरे देश की भावना को साथ लेकर चलते हैं।’ सूर्यकुमार ने भारत में क्रिकेट की जबरदस्त लोकप्रियता को भी माना, लेकिन कहा कि इसके दबदबे के साथ दूसरे खेलों के खिलाड़ियों पर भी ध्यान दिलाने की जिम्मेदारी आती है। उन्होंने कहा, ‘बिल्कुल। मैं बहुत आभार के साथ यह कहता हूं कि भारत में खेलों की बातचीत में क्रिकेट का दबदबा है। हालांकि, साथ ही क्रिकेट ने हमें सब कुछ दिया है क्योंकि भारत ने क्रिकेट को बहुत प्यार दिया है।’ अलग-अलग खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि एक बड़े क्रिकेटर की छोटी सी पहल भी दूसरे खेलों की ओर ध्यान खींचने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, ‘आज, जब मैं अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों को वैसे ही भारत का नाम रोशन करते देखता हूं जैसे क्रिकेटर करते हैं, तो मुझे लगता है कि हमारी भी जिम्मेदारी है। चाहे सोशल मीडिया पर किसी दूसरे खेल के बारे में पोस्ट करना हो या बस एक इंस्टाग्राम स्टोरी लगाना हो, इससे दूसरे खेल पर लोगों का ध्यान जा सकता है।’ 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने साथी क्रिकेटरों से दूसरे खेलों के खिलाड़ियों का सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि खेल में सफलता आखिरकार एक ही राष्ट्रीय मकसद को पूरा करती है। सूर्यकुमार ने कहा, ‘हमें निश्चित रूप से ऐसा करना चाहिए क्योंकि आखिरकार, हम सब सबसे पहले टीम इंडिया हैं।’

टखने की चोट के कारण बाकी सीजन से बाहर हुए नीरज चोपड़ा, जताई निराशा



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा टखने की चोट के कारण बचे हुए पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। नीरज ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। नीरज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘काफी समय की मेहनत के बाद मुझे लगा था कि मैं अपनी लय हासिल करने लगा हूं। लुसाने में मैंने इस सीजन का अपना बेस्ट थ्रो भी फेंका था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इसके ठीक बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने का लिगामेंट फट गया है। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत करने के बाद हमने यह फैसला लिया है कि मैं बचे हुए सीजन से बाहर बैठूंगा।’ नीरज ने आगे लिखा, ‘यह काफी निराशाजनक है, क्योंकि मैं पूरी तरह से अपनी लय हासिल करने के काफी करीब था। हालांकि, जैसा कहा जाता है कि ‘बाधाएं और असफलताएं हमारी सफलता की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।’ मेरा पूरा ध्यान अच्छे से रिकवरी करने और मजबूती से वापसी करने पर है। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।’

पाकिस्तानी बल्लेबाजों के लगातार ‘फ्लॉप शो’ पर भड़के कोच सरफराज क्रीज पर समय बिताने की दी सलाह

नई दिल्ली,एजेसी। पाकिस्तान के हेड कोच सरफराज अहमद ने टीम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खासा नाखुश हैं। सरफराज का कहना है कि पाकिस्तानी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा समय नहीं बिता पा रहे हैं और इसी कारण टीम 30 से 35 ओवरों के अंदर ही ऑलआउट हो जा रही है। लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 171 और दूसरी में 135 रनों पर सिम्टने के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाजों का हाल लॉर्ड्स टेस्ट की पहली इनिंग में भी बेहाल रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाजों के सामने टीम के बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम महज 110 रन बनाकर सिमट गई। सरफराज ने टीम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा, ‘आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि हमारी टीम 30 या 35 ओवर में ही ऑलआउट हो रही है। जहिर है कि हमने इस पर बात की है और बल्लेबाजों को भी पता है कि हम पिच पर अधिक समय नहीं बिता रहे हैं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘हां, हालात बल्लेबाजों के लिए निश्चित रूप से मुश्किल हैं, लेकिन जो भी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा समय बिताएगा और 30 से 40 गेंदें खेलेगा, उसे फायदा होगा। शुरुआती 30-40 गेंदें मुश्किल होती हैं।’

‘एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला’

नई दिल्ली ,एजेसी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जॉटी सिद्ध ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जॉटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्ध ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ।’

जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं यश धुल



धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है। धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादस्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी। धुल को मौका देने पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। वह 2025-26 के रणजी सीजन में सिर्फ 381 रन ही बना सके थे। उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया था, जबकि वह उस भूमिका के स्पेशलिस्ट नहीं हैं। वेस्ट जोन के तेज गेंदबाजों के खिलाफ धुल संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए थे और वह पहली पारी में 9 और दूसरी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस कारण टीम के फैसले की खूब आलोचना हुई थी। नॉर्थ जोन अब पूरे आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगा। टीम को भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के जुड़ने से और मजबूती मिली है। नॉर्थ जोन ने स्टार खिलाड़ियों से सजी वेस्ट जोन टीम को 52 रन से हराया था, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

सूत्र ने आगे कहा, ‘साहित लोचरा को भी टीम से रिलीज कर दिया गया है, जबकि आयुष बंदोनी बुखार से ठीक होने के बाद खेलने के लिए तैयार हैं।’ वहीं, पिछले साल की उपविजेता टीम साउथ जोन की कप्तानी भारत के टी20 उप-कप्तान तिलक वर्मा करेंगे। टीम में रिकी भुई, शेख रशीद, नारायण जगदीशन और करुण नायर जैसे अन्य बल्लेबाज भी शामिल होंगे। लेग-स्पिनर श्रेयस गोपाल और बाएं हाथ के स्पिनर तनाय त्यागराजन भी उपयोगी साबित हो सकते हैं, जबकि एमडी निधीश और विद्वथ कावेरणा मुख्य तेज गेंदबाज होंगे।

गुरनूर बरार को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन टीम में जगह दी गई

सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शेंडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लैंड काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है।

अनुभवी खिलाड़ियों का संन्यास, विशेषज्ञों की अनदेखी, प्लेइंग इलेवन में लगातार बदलाव बना टेस्ट फॉर्मेट में टीम इंडिया की असफलता की वजह

नई दिल्ली,एजेसी। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में निराशाजनक रहा है। भारतीय टीम अपने घर में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पा रही है। शुरुआती 2 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने वाली टीम इंडिया के लिए अब फाइनल खेलना एक सपने की तरह लगने लगा है। भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट फॉर्मेट में बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बदलाव का असर टीम के प्रदर्शन और परिणाम पर दिख रहा है। कभी अपने घर में टेस्ट में अजेय मानी जाने वाली भारतीय न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न सिर्फ सीरीज हार रही है, बल्कि सीरीज के सभी मैच गंवा रही है। विदेशों में भी टेस्ट में टीम इंडिया के प्रदर्शन में गिरावट आई है। बल्लेबाजी, हो या गेंदबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण, खेल के तीनों विभागों में भारतीय टीम संघर्ष के दौर से गुजर रही है। यह स्थिति गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद ज्यादा देखने को मिली है।

गंभीर के हेड कोच बनने के बाद टेस्ट फॉर्मेट से कई दिगजों ने संन्यास लिया है। इसमें विराट कोहली, आर अश्विन और रोहित शर्मा प्रमुख हैं। कभी टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम का भरोसेमंद चेहरा रहे हाणे ने भी हाल ही में टेस्ट टीम से लयभंग 2 साल से ज्यादा समय तक बाहर रहने के बाद हाल ही में

सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जॉटी सिद्ध



स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्ध और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में

64 रन की अटूट साझेदारी हुई।

कप्तान ने बताया, ‘भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल

जाएगा। ठीक वैसे ही हुआ; मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहाँ गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया।’ जॉटी सिद्ध ने मॉडर्न टी20 क्रिकेट के हिसाब से अपने गेम को ढालने के लिए जरूरी समर्पण के बारे में भी बात करते हुए कहा, ‘हम बचपन से ही एकेंडमी में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन टी20 के हिसाब से खुद को ढालने में मुझे एक-दो साल लग गए। मैंने पिछले 6-7 महीनों में अपने खेल के इस पहलू को बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है, क्योंकि आज के क्रिकेट में इसकी जरूरत है।’ जॉटी सिद्ध ने खास अंदाज में अपने पहले टी20 शतक का जश्न मनाया। उन्होंने इसके पीछे की दिलचस्पी कहानी बताते हुए कहा, ‘हमने होटल में योजना बनाई थी कि अगर हम जीतने की स्थिति में होंगे, तो मैं एक खास सेलिब्रेशन करूंगा।

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली ,एजेसी। भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने



इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए। अभिमन्यु ईश्वरन: फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते-करते 30 साल हो चुकी है। धर्मेद्रसिंह जडेजा: 100 फर्स्ट-क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट-ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह धर्मेद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं। शाहबाज अहमद: भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं।

खिलाड़ियों को आजमा चुकी है, लेकिन सही विकल्प अभी तक नहीं मिल सका है। टेस्ट क्रिकेट में अनुभव की खिलाड़ियों और टेस्ट के विशेषज्ञों की हमेशा जरूरत होती है। पिछले कुछ समय से भारतीय टीम प्रयोग ज्यादा कर रही है, जिसका नुकसान सीधा प्रदर्शन पर दिख रहा है। मोहम्मद शमी लंबे समय से टीम से बाहर हैं। घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। शमी के अनुभव और गेंदबाजी क्षमता को देखते हुए वह मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक हैं, इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं देकर युवा खिलाड़ियों को मौका देना, टीम के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। यही हाल अशर पटेल के साथ भी है। अश्वर गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। उन्हें अश्विन के बाद टेस्ट टीम का नियमित सदस्य माना जाता है, लेकिन वह टीम से बाहर हैं। उनकी जगह नए ऑलराउंडरों को ढूँढ जा रहा है। युवाओं को मौका देना गलत नहीं, लेकिन अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। सरफराज खान ने प्रथम श्रेणी में असाधारण प्रदर्शन किया है। वह राष्ट्रीय टीम के लिए भी कई अच्छी पारियां खेल चुके हैं, इसके बावजूद टीम में उनका स्थान नहीं है। कुलदीप यादव को नियमित तौर पर टेस्ट में मौका नहीं मिल रहा, इससे स्पिन गेंदबाजी कमजोर हो रही है।

जनविश्वास शिविर में सुनी गई नागरिकों की समस्याएं: 32 आवेदन मिले, कलेक्टर ने समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेशभर में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित किए जा रहे जनविश्वास शिविरों की कड़ी में शनिवार को मैहर में शिविर लगाया गयाहाउसिंग बोर्ड स्थित पर्यटन सूचना केंद्र, नगर पालिका मैहर और बस स्टैंड के

पास आयोजित शिविर में नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने रखीं शिविर में सतना-मैहर सांसदगणेश सिंह, विधायकश्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टरबिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षकअवधेश प्रताप सिंह, वन मंडलाधिकारीविद्या भूषण मिश्रा, अपर कलेक्टरसंजना जैन

सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और नगरवासी मौजूद रहे।

32 आवेदन हुए प्राप्त: जनविश्वास शिविर में नागरिकों की ओर से कुल32 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रता

और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

नगर पालिका कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश: नगर पालिका परिषद में कार्यरत कर्मचारियों केमेडिकल परीक्षण और आयुष्मान कार्ड बनाए जाने से संबंधित आवेदन भी शिविर में आया। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शिविर आयोजित कर नगर पालिका के सभी कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए साथ ही पात्र कर्मचारियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया, जिससे जरूरत

के समय कर्मचारियों को सामने आया आवेदन में बताया गया कि प्लांट बंद होने के कारण अस्पताल को बाहर से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगाने पड़ रहे हैं मामले को गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल जांच करउसी शाम तक समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निराश्रित और दिव्यांग व्यक्ति को योजनाओं का लाभ: वार्ड क्रमांक 24 के एक आवेदक ने बताया कि वे जन्म से मूक-बधिर हैं और उनके माता-पिता का निधन हो चुका है वर्तमान में वे कच्चे मकान में रह रहे हैं कलेक्टर ने उनकी समस्या पर संवेदनशीलता से सुनवाई करते हुए संबंधित विभाग को प्रकरण की जांच कर शासन की पात्रता आधारित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

होने का मामला भी शिविर में सामने आया आवेदन में बताया गया कि प्लांट बंद होने के कारण अस्पताल को बाहर से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगाने पड़ रहे हैं मामले को गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल जांच करउसी शाम तक समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चित्रकूट में मंदाकिनी का रौद्र रूप, 25 फीट ऊंचा पुल बहा; 400 दुकानें डूबीं, सड़कों पर चली नाव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद चित्रकूट में बाढ़ के हालात गंभीर हो गए हैं। मंदाकिनी नदी उफान पर है और रामघाट-भरतघाट पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं घाट किनारे करीब 400 दुकानें पानी में डूब गई हैं। कई इलाकों में सड़कों पर नाव चल रही है, जबकि घरों और होटलों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू अभियान चला रही हैं तेज बहाव के चलते मंदाकिनी नदी पर बना करीब 25 फीट ऊंचा और लगभग 300 मीटर लंबा पुल बह गया इसका वीडियो भी सामने आया है नयागांव राजमहल तक पानी पहुंच गया है। कई घरों में पानी घुसने के बाद लोग छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं सतना जिले में गोरगी बांध फूटने के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है सतना-

चित्रकूट मार्ग तीन स्थानों पर बंद हो गया है पिंडरा में सड़क का हिस्सा बहने से एक ट्रक पलट गया। वहीं थाना परिसर और पेट्रोल पंप भी पानी से घिर गए हैं।

रेलवे ट्रैक पर पानी, ट्रेनों पर असर: मझगांव और चितहरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है जानकारी के अनुसार 24 यात्री ट्रेनें और 20 मालगाड़ियां प्रभावित हुई हैं यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे और प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं राहत और बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटे हैं लगातार बारिश और नदी के तेज बहाव को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने तथा जलभराव वाले रास्तों पर जाने से बचने की अपील की गई है।

खेरमाई रोड के नाले में जलभराव की सूचना पर मौके पर पहुंचे महापौर: सफाई और अवरोध हटाने के बाद सुचारु हुआ पानी का बहाव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खेरमाई रोड स्थित नाले में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की सूचना मिलते ही महापौरयोगेश कुमार ताम्रकार तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए नगर निगम के संबंधित अमले को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इसके बाद नाले की सफाई और पानी के बहाव में आ रहे अवरोध को हटाने का कार्य शुरू कराया गया नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नाले में जमा कचरे और अन्य अवरोधों को हटाया। सफाई कार्य पूरा होने के बाद नाले में पानी का बहाव धीरे-धीरे सामान्य हो गया इससे जलभराव की स्थिति से राहत मिली और स्थानीय लोगों को भी परेशानी से निजात मिली महापौर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से



जल निकासी व्यवस्था की जानकारी ली उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जाए और जहां भी नालियों या नालों में अवरोध की स्थिति सामने आए, वहां तत्काल सफाई करकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए।

जलभराव की समस्या के त्वरित निराकरण पर जोर: नगर निगम की ओर से बताया गया कि शहर में बारिश के

दौरान जलभराव की समस्या को देखते हुए संबंधित टीमों को सक्रिय रखा गया है प्रमुख नालों और जल निकासी मार्गों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि पानी की निकासी बाधित न हो महापौर ने कहा किजनसुविधा और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है नागरिकों को जलभराव के कारण किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नगर निगम की टीम लगातार सक्रिय रहकर काम कर रही है।

भारतीय सिंधू सभा का प्रतिभा सम्मान समारोह आज: वरिष्ठ नागरिकों सहित समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिंधू सभा के तत्वावधान में रविवार, 30 अगस्त को अखंड भारत सिंध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 5 बजे से सिंधी कॉलोनी स्थित माधव गुणवती हाल में आयोजित होगा संस्था द्वारा समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा समारोह का उद्देश्य समाजसेवा, सामाजिक

सरोकारों और समाज के प्रति समर्पित लोगों को प्रोत्साहित करना है।

महापौर योगेश ताम्रकार होंगे मुख्य अतिथि: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर योगेश ताम्रकार होंगे विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश महामंत्री महेश ठारवानी, प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद लालवानी, सेंट्रल सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश वाधवानी (गन्नु भाई) और संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय सिंधू सभा के संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी करेंगे विनोद गेलानी ने बताया कि समारोह के दौरान समाज के वरिष्ठ नागरिकों, महिला

एवं पुरुषों को सम्मानित किया जाएगा इसके साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को संस्था के सर्वोच्च सम्मान ‘सिंधु रत्न सम्मान’ से विभूषित किया जाएगा।

उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं को भी मिलेगा सम्मान: कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले विशिष्ट सामाजिक व्यक्तिवत्त और सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा संस्था का उद्देश्य ऐसे लोगों के योगदान को सामने लाना है, के जिन्होंने सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है आयोजकों के

अनुसार समारोह में अखंड भारत और सिंध की स्मृतियों से जुड़े सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं को भी याद किया जाएगा इसके माध्यम से नई पीढ़ी को समाज की परंपराओं, इतिहास और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

समाजजनों से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील: कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने समाज के सभी गणमान्य नागरिकों एवं मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। संस्था के संरक्षक चंद मनवाणी, विजय जग्यासी,

मनोहर आरतानी, गोपीचंद कापड़ी सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हैं। महिला मंडल की ओर से राखी होतचंदानी, सिमरन होतचंदानी, बबीता गंगवानी, रेशमा दुसेजा और कशिश नागदेव सहित अन्य सदस्य भी कार्यक्रम की तैयारियों में सहयोग कर रहे हैं।

भारतीय सिंधू सभा ने उम्मीद जताई है कि समाज के लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता से समारोह भव्य और सफल होगा। आयोजन के दौरान सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए प्रेरित करेगा।

PM सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना से सरस्वती गुप्ता ने शुरू किया पापड़ उद्योग: 4.40 लाख की सहायता मिली, परिवार के 5-6 सदस्यों को मिला रोजगार



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं मैहर के ग्रामसोनवारी की सरस्वती गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना का लाभ लेकर पापड़ निर्माण का उद्योग

शुरू किया है आर्थिक सहायता मिलने के बाद शुरू किए गए इस छोटे उद्योग से उनके परिवार को रोजगार के साथ आय का नया जरिया मिला है जनविश्वास अभियान शिविर के दौरान सरस्वती गुप्ता ने बताया कि पापड़ उद्योग स्थापित करने के लिए शासन की ओर से उन्हें कुल4 लाख 40 हजार रुपए की सहायता उपलब्ध कराई गई। इसमें1 लाख 71 हजार रुपए की सब्सिडी भी शामिल है उन्होंने प्राप्त वित्तीय सहायता का उपयोग पापड़ बनाने की मशीन खरीदने और आवश्यक कच्चा माल जुटाने में किया।

परिवार के 5-6 सदस्यों को मिला रोजगार: पापड़ निर्माण का काम शुरू होने के बाद उनके परिवार के करीब5 से 6 सदस्य उद्योग की गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं इससे परिवार के

सदस्यों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिला है और बाहर काम की तलाश में जाने की आवश्यकता कम हुई है सरस्वती गुप्ता के अनुसार वर्तमान में पापड़ उद्योग से उन्हें प्रतिमाह करीब18 से 20 हजार रुपए की बचत एवं मुनाफा प्राप्त हो रहा है उनका कहना है कि यदि उत्पादन और बाजार का विस्तार किया जाए तो भविष्य में प्रतिमाह करीब50 हजार रुपए तक का मुनाफा अर्जित किया जा सकता है।

व्यवसाय विस्तार की योजना: सरस्वती गुप्ता ने बताया कि शासन की सहायता से शुरू हुआ पापड़ उद्योग उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार साबित हो रहा है अब वे अपने कारोबार को और आगे बढ़ाने की योजना बना रही हैं उन्होंने शासन की योजनाओं के

प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि भविष्य में आवश्यक सहयोग और सहायता मिलती है, तो वेमैहर में पोहा मिल स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे उनका उद्देश्य केवल अपना व्यवसाय बढ़ाना नहीं, बल्कि भविष्य में अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना भी है।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम: सरस्वती गुप्ता की सफलता ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के प्रभाव का उदाहरण है। सरकारी सहायता का उपयोग कर उन्होंने घरेलू स्तर पर शुरू होने वाले काम को छोटे उद्योग का रूप दिया है पापड़ उद्योग से परिवार को रोजगार और आय का साधन मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर उत्पादन की गतिविधि भी बढ़ी है।

मैहर मल्हार संगीत सभा का आयोजन 2 सितंबर को: शास्त्रीय गायन, तबला जुगलबंदी और कथक की होंगी प्रस्तुतियां



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर घराने की समृद्ध संगीतिक परंपरा को संरक्षित और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 'मैहर मल्हार संगीत सभा' का आयोजन

2 सितंबर 2026 को किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 7 बजे शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर में आयोजित होगा आयोजन का उद्देश्य मैहर घराने की संगीत

विरसत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ युवा और नवोदित कलाकारों को शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है मैहर को भारतीय

शास्त्रीय संगीत की परंपरा में विशेष स्थान प्राप्त है यहां विकसित संगीत शैली और संगीतिक विरासत ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसी विरासत को आगे बढ़ाने और युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने के लिए संगीत सभा का आयोजन किया जा रहा है।

नवोदित कलाकारों को मिलेगा मंच: मैहर मल्हार संगीत सभा' में विभिन्न संगीतिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में कलाकार, शास्त्रीय गायन, तबला जुगलबंदी, कथक समूह नृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियां देंगे आयोजन के माध्यम से नवोदित कलाकारों को अपनी कला और प्रतिभा दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा। इससे

युवा कलाकारों को प्रोत्साहन मिलने के साथ शास्त्रीय संगीत के प्रति नई पीढ़ी में रुचि विकसित होने की उम्मीद है आयोजकों के अनुसार संगीत सभा केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मैहर की संगीतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखना और स्थानीय स्तर पर संगीत के वातावरण को मजबूत करना भी है।

मैहर घराने की विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास: मैहर घराने की संगीत परंपरा भारतीय शास्त्रीय संगीत की महत्वपूर्ण विरासतों में शामिल है इस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए कलाकारों और संगीत संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

चित्रकूट में बाढ़ का कहर, मंदाकिनी उफान पर: 400 दुकानें डूबीं, सड़कों पर नाव चली; रेलवे ट्रैक जलमग्न, बड़ा पुल बहा

सतना/चित्रकूट। सतना जिले की धार्मिक नगरी चित्रकूट में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के हालात गंभीर हो गए हैं। पिछले करीब 14 घंटे से जारी तेज बारिश के कारण सतना से चित्रकूट जाने वाला मार्ग तीन स्थानों पर बंद हो गया है। कई सड़कें और पुल-पुलिया पानी में डूब गए हैं जलभराव इतना अधिक है कि शहर के कुछ हिस्सों में लोगों को निकालने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है।

मंदाकिनी का बड़ पुल तेज



बहाव में बहा: चित्रकूट में मंदाकिनी नदी पर बना करीब 25 फीट ऊंचा बड़ा पुल तेज बहाव की चपेट में आकर टूट गया पुल टूटने से इलाके में आवागमन प्रभावित हुआ है। नयागांव क्षेत्र में पुल की रेलिंग भी क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में आवाजही को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर भरा पानी: बाढ़ का असर रेल यातायात पर भी पड़

है मझगांव के पास रेलवे ट्रैक जलमग्न हो गया। पानी भरने के कारण आनंद विहार-रीवा ट्रेन के आगे बढ़ने में भी परेशानी आई रेलवे और प्रशासनिक अमला स्थिति पर नजर रख रहा है।

घरों और गलियों में घुसा पानी: शहर के निचले इलाकों में पानी घरों के भीतर तक पहुंच गया है कई परिवार सुरक्षित स्थानों और ऊंचाई वाले इलाकों की ओर चले गए हैं।